▪ श्रावण कृष्णा - 4 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 345 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 14-07-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 चुनाव आयोग के दावे पर तेजस्वी ने उठाया सवाल

6 भूगर्भ में अंगड़ाई लेती नदी के नए प्रमाण

7 हिंदी-मराठी भाषा विवाद पर अजय देवगन ने तोड़ी चुप्पी

फर्स्ट टेक

मानसून सत्र की रणनीति पर सोनिया गांधी ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति तय करने के लिए मंगलवार को बैठक बुलाई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, श्रीमती गांधी के सरकारी आवास 10 जनपथ पर बुलायी गयी इस बैठक में संसदीय दल के रणनीति समूह के सदस्य भाग लेंगे। बैठक में मानसून सत्र के दौरान पार्टी द्वारा अपनायी जानेवाली रणनीति और इसमें उठाए जाने वाले मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

स्टालिन ने पत्र लिख श्रीलंका से गिरफ्तार सात मछुआरों का मुद्दा उठाया

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर श्रीलंका द्वारा सात मछुआरों की गिरफ्तारी की जानकारी दी और उनकी रिहाई के लिए कदम उठाने की मांग की। मुख्यमंत्री ने केंद्र से कहा कि वर्तमान में तमिलनाडु की 232 मछली पकड़ने वाली नौकाएं और 50 मछुआरे श्रीलंकाई अधिकारियों के कब्जे में हैं। उन्होंने केंद्र से मछुआरों और उनकी नौकाओं को छुड़ाने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान किया।

मणिपुर में पांच उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर के तीन जिलों से सुरक्षाबलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के दो सक्रिय कैडरों को शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले के लाइकहोंग से पकड़ा गया, जबकि कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनबा) के एक सदस्य को शुक्रवार को बिष्णुपुर के ट्रोंग्लाओबी से गिरफ्तार किया गया।

यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी ने दो रूसी एजेंट को मारने का दावा किया

कीव/एपी। यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी ने रविवार को कहा कि उसने राजधानी कीव में उसके एक वरिष्ठ अधिकारी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में संदिग्ध दो रूसी एजेंट का पता लगाकर उन्हें मार गिराया है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तारी से बचने का प्रयास करने पर संदिग्ध रूसी एजेंट को कीव क्षेत्र में मार गिराया गया। एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में दो शव जमीन पर पड़े दिखाई दे रहे हैं। एजेंसी ने पहले कहा था कि एक पुरुष और एक महिला पर सुरक्षा एजेंसी के कर्नल इवान वोरोनिच की बृहस्पतिवार को हुई हत्या में शामिल होने का संदेह है।

13-07-2025 सूर्यास्त 6:50 बजे

14-07-2025 सूर्योदय 6:01 बजे

BSE	NSE
82,500.47	25,149.85
(-689.81)	(-205.40)

सोना	चांदी
10,177 रु.	110,709 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लीपापोती

पायलट की ग़लती बतलाना,
सोची समझी साजिश होती।
सिस्टम की गड़बड़ कहने पर,
कंपनी लॉस भारी ढोती।
जो मरे सिर्फ वो ही दोषी,
अस्मिता उन्हीं की ही खोती।
सरकारी जांचों में हरदम,
होती है बस लीपापोती।।

अपने 18 दिनों के प्रवास के समापन पर अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने कहा

अंतरिक्ष से महत्वाकांक्षाओं से भरा और निडर दिखता है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ एक्सिओम-4 मिशन आज आईएसएस से अलग हो जाएगा और कल कैलिफोर्निया तट पर इसके उतरने की उम्मीद है।

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने 18 दिनों के प्रवास के समापन पर कहा कि भारत अंतरिक्ष से महत्वाकांक्षा, निडरता, आत्मविश्वास और गर्व से भरा नजर आता है।

शुक्ला ने भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के 1984 में कहे शब्दों को दोहराते हुए कहा, ''आज भी भारत ऊपर से 'सारे जहां से अच्छा' दिखता है।'' उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 'एक्सिओम-4' मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए आयोजित विदाई समारोह में यह टिप्पणी की।

शुक्ला ने आईएसएस में अपने प्रवास का जिक्र करते हुए कहा, ''यह मुझे जादुई सा लगता है... यह मेरे लिए एक शानदार यात्रा रही है।'' शुक्ला 26 जून को आईएसएस पहुंचे थे।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने कहा कि वह अपने साथ बहुत सारी यादें और सीख लेकर जा रहे हैं, जिन्हें वह अपने देशवासियों के साथ साझा करेंगे। आईएसएस पर 18 दिन के गहन वैज्ञानिक प्रयोगों के बाद शुभांशु शुक्ला और 'एक्सिओम-4' मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की विदाई का समय आ गया है और वे सोमवार को पृथ्वी के लिए अपनी वापसी यात्रा शुरू करेंगे।

एक्सिओम-4 मिशन सोमवार को आईएसएस से अलग हो जाएगा और मंगलवार को कैलिफोर्निया तट पर इसके उतरने की उम्मीद है।

मिशन पायलट शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री-कमांडर पैगी व्हिटसन, पोलैंड एवं हंगरी के मिशन विशेषज्ञ स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और टिबोर कापू, 'एक्सिओम-4 मिशन' के तहत अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे।

ट्रेनों में सुरक्षा बढाने के लिए

डिब्बों तथा ईंजनों में लगाए जाएंगे कैमरे

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे ने ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सभी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। रेल मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यात्रियों की सुरक्षा बढाने के उद्देश्य से सभी 74 हजार डिब्बों और 15 हजार इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएंगे प्रत्येक डिब्बे में चार सीसीटीवी कैमरे और इंजनों में छह कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे अत्याधुनिक होंगे और 100 किमी प्रति घंटे से भी अधिक रफ्तार में तथा कम रोशनी में भी उच्च गुणवत्ता वाली सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करायेंगे। रेलवे के अनुसार यात्री डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रायोगिक परिणाम के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। कैमरों के लगने के बाद अपराधी और संगठित गिरोह की गतिविधियों पर लगाम लगेगी जो भोले-भाले यात्रियों का फायदा उठाते हैं। यात्रियों की निजता को कायम रखने के लिए कैमरे दरवाजों के पास सामान्य आवागमन क्षेत्र में लगाए जाएँगे। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शनिवार को एक बैठक में इंजनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के कार्य की प्रगति की समीक्षा की है।

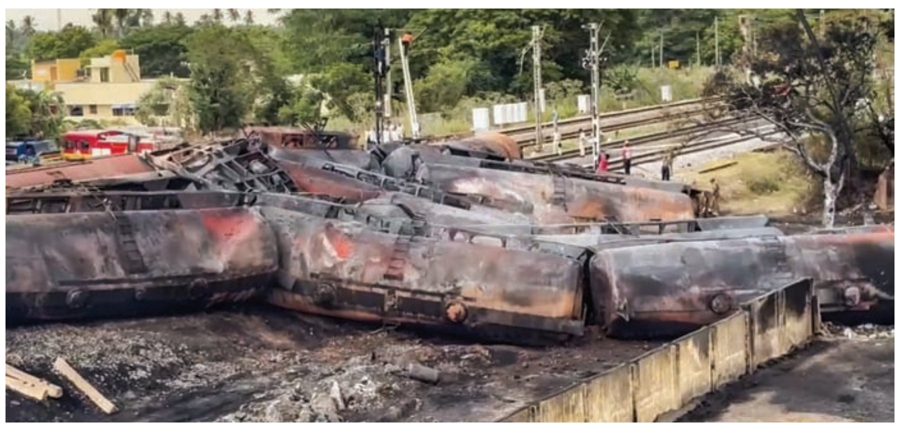

तमिलनाडु में डीजल ले जा रही मालगाड़ी में आग लगने से 18 डिब्बे जलकर खाक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में तिरुवल्लूर के निकट डीजल ले जा रही एक मालगाड़ी में रविवार सुबह आग लग गई। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। तिरुवल्लूर में रविवार को डीजल ले जा रही एक मालगाड़ी में आग लग गई जिससे 18 डिब्बे जलकर खाक हो गए, जबकि चेन्नई-आरक्कोनम खंड पर ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। दक्षिणी रेलवे ने यह जानकारी दी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन यात्रियों को काफी असुविधा हुई। स्थिति को देखते हुए राज्य परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष बसें चलाईं। दक्षिणी रेलवे की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, डीजल ले जा रही मालगाड़ी के कुछ मध्यवर्ती डिब्बों में लगभग साढ़े पांच बजे तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन को पार करते समय आग लग गई तथा कई अन्य डिब्बे (इंजन से तीसरे डिब्बे के बाद) पटरी से उतर गए। विज्ञप्ति के अनुसार, मालगाड़ी के 18 डिब्बे जलकर खाक हो गए।

बिहार में मतदाता सूची के

गहन पुनरीक्षण अभियान में बड़ी संख्या में नेपाली और बांग्लादेशी मिले : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि घर-घर जाकर की गई जांच के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों को "बड़ी संख्या में" नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोग मिले हैं।

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत घर-घर जाकर जांच की और इस दौरान ''बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार'' के लोग मिले हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक अगस्त के बाद ऐसे लोगों की समुचित जांच की जाएगी और 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में अवैध प्रवासियों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे।

रिपोर्ट का हवाला देते हुए, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि घर-घर जाकर की गई जांच के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों को ''बड़ी संख्या में'' नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोग मिले हैं।

बिहार में इस साल चुनाव होने वाले हैं, जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं।

बांग्लादेश और म्यांमार सहित विभिन्न राज्यों में अवैध विदेशी प्रवासियों पर कार्रवाई के मद्देनजर निर्वाचन आयोग का यह कदम महत्वपूर्ण है।

बिहार में गहन पुनरीक्षण के चौथे चरण में मतदाता सूची का प्रारूप एक अगस्त को प्रकाशित किया जाएगा। सूची में वे सभी मतदाता शामिल होंगे जिनके फार्म समय सीमा तक प्राप्त हो गए हैं। जिन नामों के लिए 25 जुलाई से पहले कोई गणना प्रपत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है, वे मसौदा सूची में नहीं दिखाई देंगे।

निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी संविधान के अनुच्छेद 326 में निर्धारित पात्रता मानदंडों के आधार पर फॉर्मों की जांच करेंगे।

पाप करने वाले लोग अब बन रहे है साधु : गजेन्द्र सिंह शेखावत

छात्रसंघ चुनाव को लेकर कांग्रेस पर किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ यही कांग्रेस थी, जिसने 13 साल तक पंचायती राज का चुनाव नहीं होने दिया।

जोधपुर/भाषा। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने छात्रसंघ चुनाव को लेकर कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा है कि वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव से पहले अपनी हार को टालने के प्रयास में छात्रसंघ चुनाव को रोकने का पाप करने वाले लोग अब यहां पर साधु बन रहे हैं।

शेखावत ने रविवार को यहां मीडिया से चर्चा में कांग्रेस की छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग से जुड़े प्रश्न पर यह बात कही। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव से पहले अपनी तय हार को टालने के लिए, कहीं गलत नैरेटिव न बन जाए, छात्रसंघ चुनाव को रोकने का पाप किसने किया था। वह पाप करने वाले लोग अब यहां पर साधु बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिनके घर शीशे के होते हैं, उनको दूसरों पर पत्थर नहीं उछलना चाहिए।

उन्होंने कहा मैंने फलौदी में एक दिन पहले भी यह बात कही थी कि कुछ लोगों को कानून, संविधान...सब, जब वो सत्ता से बाहर होते, तब याद आते हैं। अपनी अनुकूलता के आधार पर नियमों को तय और व्याख्या करते हैं। उनकी प्रासंगिकता के ऊपर चर्चा करते हैं। शेखावत ने कहा कि वह अशोक गहलोत का एक ट्वीट देख रहे थे, उसमें उन्होंने लिखा था कि पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनाव हर पांच साल में होने चाहिए, संविधान के प्रदत्त यह व्यवस्था है। ऐसा न करके भाजपा सरकार संविधान की व्यवस्थाओं के अनुरूप काम नहीं कर रही है। इसके समर्थन में उन्होंने उच्चतम न्यायालय के कुछ निर्णयों को भी अंकित किया। उन्होंने कहा मेरा प्रश्न उनसे यह है कि यही कांग्रेस थी, जिसने 13 साल तक पंचायती राज का चुनाव नहीं होने दिया।

सिंगापुर के साथ द्विपक्षीय पहलों में प्रगति से खुश हूं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि वह सिंगापुर के साथ विभिन्न द्विपक्षीय पहलों में ''लगातार प्रगति देखकर प्रसन्न हैं''। उन्होंने सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री गैन किम योंग से मुलाकात की। जयशंकर सिंगापुर और चीन की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, उप प्रधानमंत्री गैन किम योंग से मिलकर अच्छा लगा। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें विभिन्न द्विपक्षीय पहलों में लगातार प्रगति देखकर खुशी हुई।

जयशंकर ने यह भी कहा कि वह तीसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

इससे पहले, जयशंकर ने अपने समकक्ष विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की और कहा, सिंगापुर हमारी 'एक्ट ईस्ट' नीति के केंद्र में है। वहां विचारों का आदान-प्रदान करना हमेशा उपयोगी होता है।

बैठक के बारे में पोस्ट करते हुए बालाकृष्णन ने कहा, जैसे-जैसे विश्व बहुध्रुवीयता की ओर अग्रसर हो रहा है, भारत अवसर के इन प्रमुख ध्रुवों में से एक के रूप में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कृषि मंत्री चौहान ने राज्यों से नकली उर्वरकों की बिक्री पर रोक लगाने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से नकली और घटिया उर्वरकों की बिक्री के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई करने को कहा। मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में चौहान ने उनसे उर्वरक उत्पादन और बिक्री की नियमित निगरानी करने के साथ-साथ नकली और घटिया उत्पादों के नमूने लेने और परीक्षण करने को कहा है। उन्होंने कहा, पारंपरिक उर्वरकों के साथ नैनो-उर्वरकों पर जबरन टैगिंग तुरंत बंद की जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोषियों के खिलाफ लाइसेंस रद्द करने और एफआईआर दर्ज करने सहित सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए और दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे किसानों और कृषक समूहों को निगरानी प्रक्रिया में शामिल करने के लिए प्रतिक्रिया और सूचना प्रणालियां विकसित करें और किसानों को असली-नकली उत्पादों की पहचान करने के बारे में शिक्षित करने के लिए विशेष प्रयास करें।

जेलों में कट्टरता फैलना एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा : गृह मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्रालय ने जेलों में कट्टरपंथ को एक गंभीर चुनौती बताया है तथा सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के वास्ते त्वरित कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए एक पत्र में गृह मंत्रालय ने कैदियों की जांच-पड़ताल, समय-समय पर जोखिम का आकलन और अधिक जोखिम वाले व्यक्तियों को अधिक निगरानी के साथ अलग रखने समेत विभिन्न उपायों की सूची देते हुए दिशानिर्देश जारी किए हैं और ऐसे कैदियों को कट्टरपंथ से बाहर निकालने की प्रक्रिया को शुरू करने के महत्व को भी रेखांकित किया गया है। इसमें कहा गया है कि जेलों में कट्टरपंथ आमतौर पर खतरनाक हो सकता है, क्योंकि जेल बंद जगहें होती हैं जहां सामाजिक अलगाव, समूहों का प्रभाव और निगरानी की कमी जैसे कारण चरमपंथी विचारों को बढ़ावा दे सकते हैं।

इसमें कहा गया है कि कैदी अक्सर अलगाव की भावना, हिंसक व्यवहार की प्रवृत्ति या समाज-विरोधी सोच के कारण कट्टरपंथी विचारों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं और कुछ मामलों में, ऐसे कट्टरपंथी कैदी हिंसक घटनाओं में शामिल हो सकते हैं या जेल कर्मचारियों, अन्य कैदियों या बाहर के लोगों पर हमले की साजिश बना सकते हैं। गृह मंत्रालय ने कहा, ''जेलों में संवेदनशील व्यक्तियों में फैलते कट्टरपंथ को रोकने और कदम उठाने की सख्त जरूरत है। साथ ही, ऐसे व्यक्तियों को कट्टरपंथ से बाहर लाने की प्रक्रिया शुरू करना भी जरूरी है, क्योंकि इसे सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।'' इसने कहा कि जेलों में कट्टरपंथ के मुद्दे को सुलझाना इसलिए जरूरी है ताकि हिंसक उग्रवाद के खतरे को कम किया जा सके, कैदियों का पुनर्वास बेहतर ढंग से हो सके, राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और वे समाज की मुख्यधारा में सफलतापूर्वक फिर से जुड़ सकें।

सीतारमण ने 'लिविंग रूट ब्रिज' के लिए यूनेस्को की मान्यता के प्रयासों का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले के 'लिविंग रूट ब्रिज' को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा दिलाने के प्रयासों के प्रति पुरजोर समर्थन व्यक्त किया है।

सीतारमण ने मान्यता के लिए नामांकन को बहाल करने और सामुदायिक सहभागिता एवं अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के माध्यम से प्रस्ताव को मजबूत करने के लिए हाल में जमीनी स्तर पर हुई प्रगति की सराहना की।

'लिविंग रूट ब्रिज' ऐसा पुल होता है, जो पेड़ों की जड़ों से तैयार किया गया जाता है।

सीतारमण ने कहा कि वैश्विक मान्यता न केवल पारंपरिक ज्ञान का सम्मान करेगी, बल्कि दूसरों को स्थानीय ज्ञान पर आधारित स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए भी प्रेरित करेगी। शनिवार को सीज गांव में 'लिविंग रूट ब्रिज' की यात्रा के दौरान उन्होंने कहा, मान्यता दिखावे के लिए नहीं, बल्कि दुनिया को यह दिखाने के लिए है कि आपने यह काम पहले किया था।

राजस्थान में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर गिरफ्तार, नशीले पदार्थ बरामद

जालोर/भाषा। इंस्टाग्राम पर 83,000 से अधिक फॉलोअर्स वाली एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को नशीले पदार्थ रखने के आरोप में राजस्थान में जालोर के चितलवाना इलाके में रविवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि भवरी उर्फ भाविका नाम की आरोपी को सिवाड़ा चौकी पर उस समय हिरासत में ले लिया गया, जब वह एक रोडवेज बस में सवार होकर नशीले पदार्थ लेकर बाडमेर से गुजरात जा रही थी। उसने बताया कि महिला के सामान की तलाशी में 150 ग्राम से अधिक 'एमडी' (मेफेड्रोन) बरामद हुआ, जो स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत प्रतिबंधित नशीला पदार्थ है। पुलिस ने बताया कि महिला नशीले पदार्थ की कथित तौर पर आपूर्ति के लिए गुजरात जा रही थी। प्राधिकारियों को संदेह है कि इस मामले में एक बड़ा तस्करी गिरोह शामिल है तथा जब्त किए गए पदार्थों की जांच के लिए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की मदद ली जा रही है।

समाज में शालीनता के साथ रक्षात्मकता और आक्रामकता दोनों चाहिए : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। रविवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में पहली जागरण सेमिनार को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि पिछले सौ वर्षों में उदासीनता, कर्तव्यहीनता और विभक्त मानसिकता के कारण समाज व धर्म का भारी नुकसान हुआ है। रक्षात्मकता और आक्रामकता छोड़ देने के कारण अल्पसंख्यक जैन समाज का जगह जगह शोषण हो रहा है। राजनीति, प्रशासन और व्यवहार में उसे दबाने के भरपूर प्रयास होते हैं। साधुवर्ग और गृहस्थवर्ग में नेतृत्व की धार कमजोर हुई है। संप्रदायों, समुदायों और वर्गों में विभक्त समाज की शक्ति कम हुई है। ऐसी स्थिति में किसी संप्रदाय या वर्ग विशेष के बड़े-छोटे या शक्तिशाली होने का भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा। संगठित सामूहिक प्रयास ही हमेशा सफलता दिलाते हैं। अकेले शेर का तो लकड़बघे भी मिलकर शिकार कर लेते हैं।

आचार्य श्री ने कहा कि समाज के अस्तित्व और गौरव को बचाने के लिए कुछ नियम होते हैं, ऐसे नियम जो समाज में रहने वाले हर व्यक्ति को मानने होते हैं। यदि लोग ऐसा नहीं करते हैं तो उस समाज का अंत निश्चित होता है। इसलिए समाज में धन-वैभव और अधिक सुख-सुविधाओं का अधिक बोलबाला नहीं होना चाहिए। मौज-मस्ती, सुख-सुविधा तथा आराम पसंद समाज धीरे-धीरे मनस्वी, अकर्मण्य, डरपोक, निर्णयविहीन और संघर्षहीन बन जाता है। वह अपनी रक्षात्मकता और आक्रामकता दोनों को गवां देता है। एक दिन ऐसे समाज की शालीनता भी दांव पर लग जाती है। प्रकृति और परिस्थिति के अनुसार समस्याओं व संकटों का सामना करने के लिए समाज के पास सही सोच, साहस, संगठन, सहयोगवृत्ति, निष्ठभावना और मजबूती चाहिए।ङ्गआचार्यश्री ने कहा कि साधुओं की संख्या बढ़ने या बड़े-बड़े चातुर्मासों और अनुष्ठानों के आयोजनों से कुछ नहीं हो जाएगा। महत्वपूर्ण यह है कि बड़े साधु और वरिष्ठ श्रावकवर्ग समाज को किस दिशा में ले जाते हैं। पूजा-अनुष्ठान, सामायिक, प्रतिक्रमण, तपस्या और अन्य धार्मिक आयोजनों से समाज या धर्म की सुरक्षा नहीं हो पाएगी। उसके लिए तो निष्ठापूर्वक दीर्घकालीन योजनाएं बनाकर, उन पर ठोस काम करना होगा। गदग के अलावा अनेक गांवों-शहरों से भी युवा सेमिनार में सहभागी बने। गणि पद्म विमलसागरजी ने सेमिनार की संयोजना की। अंत में आयोजित परिचर्चा में युवक-युवतियों ने खुलकर अपने विचार रखे। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि सोलह दिवसीय कषाय जय तप में करीब चार सौ साधक जुड़े हैं।

जैन कॉन्फ्रेन्स युवा शाखा दोड्डबलापुर ने आयोजित किया सामायिक दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक प्रांत के तत्वावधान में युवा शाखा कर्नाटक द्वारा रविवार को दोड्डबलापुर के एसएस जैन भवन में सामायिक दिवस का आयोजन चेयरमैन राकेश लोढ़ा, सहचेयरमैन मनोज बोहरा जैन व ज़िला युवा अध्यक्ष नवीन बाफना के नेतृत्व में किया गया जिसका विषय था 'आत्मचिंतन का समय-सामायिक के संग तथा रील्स नहीं, रियल ज्ञान-सामायिक स्वाध्याय है'। युवा अध्यक्ष आशीष कुमार भंसाली एवं महामंत्री किशोर बाफना ने युवाओं के आयोजन की सराहना की इस अवसर पर युवा प्रचार प्रसार मंत्री यश बाफना ने बताया कि कार्यक्रम में दोड्डबलापुर सहित बेंगलूरु के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। महेश कांकरिया ने संचालन किया।

राजराजेश्वरीनगर भवन में तेयुप का मंत्र दीक्षा कार्यक्रम सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ भवन राजराजेश्वरीनगर में तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में 70 बच्चों ने नमस्कार महामंत्र के सामूहिक संगान के साथ मंत्र दीक्षा ग्रहण की। साध्वीश्री ने कहानी के माध्यम से ज्ञानशाला के बच्चों को मंत्र की शक्ति के बारे में बताया। साध्वीश्री ने भोजन करते समय मोबाइल या टीवी नहीं देखने का संकल्प करवाया।उन्होंने बताया कि बच्चों में सुसंस्कार एवं संघ-संघपति के प्रति प्रगाढ़ श्रद्धा जागृत होती रहे इस हेतु मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम प्रति वर्ष आयोजित किया जाता है। परिषद् के मंत्री संदीप बैद ने सभी का स्वागत किया। केंगेरी व आरआर नगर ज्ञानशाला के बच्चों ने नाट्य प्रस्तुति दी। साध्वी बोधिप्रभाजी ने गीत गाया। तेयुप के सहमंत्री महेश मांडोतेत ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संस्कार व्यक्ति को संवारने व कर्तव्य को निखारने का विशेष सूत्र है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा अर्हम भवन में साध्वी संयमलताजी के सान्निध्य में मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साध्वी संयमलता जी ने कहा कि व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहचान वेश, परिवेश से नहीं बल्कि संस्कारों से होती है। संस्कार जीवन निर्माण की प्रयोगशाला है, जीवन की अमूल्य धरोहर है। संस्कार व्यक्ति को संवारने व कर्तव्य को निखारने का बेजोड़ नुस्खा है। आचार्य तुलसी द्वारा प्रदत ज्ञानशाला संस्कार निर्माण की शाला है, सुनहरा उपवन है। हर बच्चे को विकसित करने में ज्ञानशाला प्रशिक्षका एवं माता-पिता का विशेष योगदान है ऐसे ही हमारी ज्ञानशाला चलती रहे। साध्वी मार्दवश्री ने संचालन करते हुए कहा कि जीवन को ऊंचाई देने एवं सफल बनाने का सुंदर उपक्रम है संस्कार। सॉरी एवं थैंक्यू जैसी छोटी-छोटी बातें ही संस्कार निर्माण करने वाली हैं।

साध्वी रौनकप्रभा जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर प्रायोजक मनोहरलाल राकेश बाबेल परिवार के सौजन्य से आचार्य भिक्षु पर आधारित भक्ति गीत के वीडियो का लॉन्च निधि चावत ने किया। तेयुप के अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। ज्ञानशाला ज्ञानार्थियों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में ममता मांडोत, टीना मांडोत एवं सुनीता पटावरी का विशेष सहयोग था। संयोजक विक्रम बोहरा ने व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम का संचालन मंत्री योगेश पोरवाड़ ने किया।

केजीएफ तेरापंथ भवन में हुआ मंत्र दीक्षा कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ भवन में साध्वी पावनप्रभाजी के सान्निध्य में मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी ज्ञानार्थियों को नमस्कार महामंत्र का महत्व बताते हुए नियमित मंत्र जाप करने की सलाह दी गई। साध्वीश्री ने नशे व मांसाहार से दूर रहने की बात कही। भोजन करते समय मोबाइल का प्रयोग करने से उससे होने वाली हानि के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि धर्म करने की कोई उम्र नहीं होती व धर्म करने से आत्मा की शुद्धि व मन की पवित्रता होती हो, चित्त की निर्मलता आती है। राम के युग में मर्यादा का, भगवान महावीर के युग में अहिंसा को सबसे बड़ा धर्म माना है। वहीं आज के युग में सबसे बड़ा धर्म आपसी तालमेल बना रहे, समता रहे व प्रेम बढ़े, यही सबसे बड़ा धर्म है। धर्म करने से पाप घटेगा व पुण्य बढ़ेगा लेकिन हमें पुण्य की आकांक्षा नहीं करनी चाहिए। साध्वी आत्मयशाजी ने क़हा कि साधु को वन्दना करने से लाभ होता है। हमें द्रव्य वन्दना नहीं अपितु भाव वंदना करनी चाहिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में ज्ञानार्थी व श्रावक श्राविका वर्ग उपस्थित था।

संयुक्त कार्यक्रम में 400 बच्चों ने ग्रहण की मंत्र दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गांधीनगर तेरापंथ भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में संयुक्त रूप से मंत्र दीक्षा का आयोजन किया गया। डॉ पुलकितकुमारजी ने कहा कि गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी ने जो एक संकल्प लिया था वह आज साकार होता हुआ दिख रहा है। मुनिश्री ने नमस्कार महामंत्र का महत्त्व बताते हुए सभी बच्चों से संकल्प कराया कि वह प्रतिदिन कम से कम 27 बार नमस्कार महामंत्र का जाप करेंगे एवं स्कूल, कॉलेज या रास्ते में जाते समय कोई भी साधु साध्वी मिलते हैं तो हाथ जोड़कर प्रणाम करेंगे। मुनिश्री ने ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों को नमस्कार महामंत्र का महत्व बताते हुए उनको मंत्र दीक्षा प्रदान की तथा अन्य संकल्प भी कराए। ज्ञानशाला के 400 बच्चों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और राजाजीनगर ज्ञानशाला से लगभग 33 बच्चों ने मुनिश्री से मंत्र दीक्षा ग्रहण की। मुनिश्री आदित्यकुमारजी ने मंत्र दीक्षा के उपलक्ष्य में गीत का संगान किया। ज्ञानशाला के बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर राजाजीनगर सभा परिवार, महिला मंडल परिवार, तेयुप के अध्यक्ष जीतेश दक, मंत्री अनिमेष चौधरी सहित अनेक श्रावक श्राविका उपस्थित थे ।

तेयुप यशवंतपुर व टी. दासरहल्ली द्वारा मंत्र दीक्षा कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर एवं टी. दासरहल्ली ने सामूहिक रूप से साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि मंत्र दीक्षा द्वारा बच्चों में आध्यात्मिक संस्कारों का बीजारोपण होता है। देव, गुरु, धर्म, के प्रति श्रद्धा भाव जागृत होता है। नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प करने से भविष्य का सृजन होता है। बच्चे सफेद पत्र के समान है जिस पर चाहे जैसा रंग भरा जा सकता है। साध्वी श्री सोमयशाजी ने इन प्रेरणाओं के पश्चात ज्ञानशाला के बच्चों को मंत्र दीक्षा के पांच संकल्प उच्चारित करवाते हुए मंत्र दीक्षा प्रदान की। साध्वी सरलयशा जी ने कहा कि मंत्र दीक्षा के संकल्पों द्वारा बच्चे अपने अभिभावकों के प्रति विनम्र रहने का संदेश प्राप्त करते हैं।कुसंस्कारी बच्चों के संपर्क से दूर रहने का उनको ज्ञान प्राप्त होता है। बच्चे भविष्य की निधि है।साध्वी ऋषिप्रभा जी ने बच्चों के भावी जीवन के बारे में बताया। इस मौके पर तेरापंथ युवक परिषद द्वारा 14 जुलाई से शुरू होने वाली भिक्षु कार्यशाला के बैनर का अनावरण किया गया यशवंतपुर तेयुप के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल, टी. दासरहल्ली तेयुप के अध्यक्ष कन्हैयालाल गाँधी ने सभी का स्वागत किया। तेयुप के शाखा प्रभारी राकेश दक, महिला मण्डल की अध्यक्ष रेखा पितलिया ने अपने विचार व्यक्त किए। यशवंतपुर ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा नाट्य प्रस्तुति दी।इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। दासरहल्ली तेयुप के मंत्री शुभम बाबेल ने धन्यवाद दिया। यशवंतपुर तेयुप के मंत्री अभिषेक पोखरना ने संचालन किया।

'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत देहरादून में अब तक 82 ढोंगी बाबा गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत देहरादून जिले में पुलिस ने रविवार को साधु-संतों के भेष में कथित रूप से लोगों को ठगने वाले 34 और बहरूपियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही देहरादून जिले में अब तक इस अभियान के तहत 82 ढोंगी बाबाओं की गिरफ्तारी हो चुकी है।

देहरादून जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर बृहस्पतिवार को शुरू किए गए अभियान के तहत पुलिस ने अनेक टीमें गठित की हैं और ऐसे विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है जहां ढोंगी बाबाओं द्वारा धर्म की आड में लोगों की भावनाओं व आस्था से खिलवाड़ कर ठगी करने का प्रयास करने की सूचनाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को जिले भर में 34 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया जिनमें से 23 अन्य राज्यों के रहने वाले हैं । सिंह ने बताया कि पिछले तीन दिनों में जिले भर में ऐसे 82 बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है और इनके विरुद्ध भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है । एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार ढोंगी बाबाओं में से एक बांग्लादेशी नागरिक रूकन रकम उर्फ शाह आलम भी है जिसे शुक्रवार को देहरादून जिले के सहसपुर क्षेत्र से पकड़ा गया था। उन्होंने कहा कि यह अभियान अभी जारी रहेगा । सिंह ने कहा कि इस समय प्रदेश में जारी चारधाम यात्रा तथा कांवड़ यात्रा का सहारा लेकर ढोंगी बाबा और सक्रिय हो गए हैं जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कालनेमि एक असुर था जिसका दोनों प्रमुख हिंदू धर्मग्रंथों रामायण और महाभारत में उल्लेख है ।

पंजाब भाजपा के नए कार्यकारी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री मान पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं पर मुख्यमंत्री भगवंत मान की टिप्पणी के लिए रविवार को उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस तरह की भाषा का मान ने इस्तेमाल किया है, वह उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है।

उन्होंने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, ''पिछले तीन साल से राज्य में सरकार नहीं, बल्कि सर्कस चल रहा है। मुख्यमंत्री को अपने शब्दों पर नियंत्रण नहीं है।''

शर्मा ने कार्यभार संभालने के बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री 'सड़क छाप' भाषा बोलेंगे तो उन्हें उसी भाषा में जवाब मिलेगा।

पठानकोट के विधायक शर्मा ने कहा, ''हम जानते हैं कि विनम्र तरीके से कैसे बात करनी है, लेकिन अगर वह इसी तरह की भाषा बोलते हैं, तो उन्हें उसी भाषा में जवाब मिलेगा।''

कार्यभार संभालने के मौके पर पंजाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़, केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, अन्य नेता मनोरंजन कालिया, परनीत कौर, अविनाश राय खन्ना, विजय सांपला, सोम प्रकाश, पूर्व मंत्री मनप्रीत बादल, तीक्ष्ण सूद, सुरजीत ज्याणी, राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी समेत पार्टी के कई प्रमुख नेता मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि राजनीति में हर पार्टी, हर व्यक्ति अपने विचार जनता के सामने रखता है, लेकिन लड़ाई राजनीतिक विचारधाराओं की है, व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता या दुश्मनी की नहीं।

शर्मा ने मान की आलोचना करते हुए कहा कि ''ऐसी भाषा'' एक ऐसे व्यक्ति की ओर से आ रही है जो एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं और जिनके पिता शिक्षक रहे हैं। उन्होंने कहा कि मान जिस पद पर हैं, उन्हें ऐसी भाषा शोभा नहीं देती।

जम्मू-कश्मीर

उपराज्यपाल ने आतंकवाद के 40 पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारामूला में आतंकवाद के 40 पीड़ितों के परिजनों को रविवार को नियुक्ति पत्र सौंपे और दोहराया कि सरकार आतंकवाद पीड़ित परिवारों को नौकरी एवं न्याय प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिन्हा ने साथ ही कहा कि वे दिन अब चले गए जब आतंकवादियों के परिजनों को नौकरी मिलती थी। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि सिन्हा ने आतंकवाद के 10 पीड़ित परिवारों के सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपकर अपना वादा 15 दिन में पूरा कर दिया।

उपराज्यपाल ने 29 जून को अनंतनाग में आतंकवाद पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी और उन्हें आश्वासन दिया था कि पीड़ितों के पात्र परिजनों को 30 दिन के भीतर नौकरी दी जाएगी। प्रवक्ता ने कहा, ''यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक हर आतंकवाद पीड़ित परिवार का पुनर्वास नहीं हो जाता।'' कार्यक्रम के दौरान उन लोगों ने अपने अनुभव साझा किए जिनके प्रियजन की आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। उन्होंने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों और उनके समर्थकों की पोल खोली।

सिन्हा ने आतंकवाद पीड़ित परिवारों को न्याय, नौकरी, सम्मान और समर्थन सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद पीड़ित परिवारों को त्याग दिया गया और भुला दिया गया तथा वे दशकों तक चुपचाप कष्ट सहते रहे। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए उनके प्रियजन की कहानियों को सामने लाया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''इन परिवारों की सच्चाई जानबूझकर दबाई गई। कोई भी उनके आंसू पोंछने नहीं आया।

सभी जानते थे कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी इन नृशंस हत्याओं में शामिल थे लेकिन किसी ने भी हजारों बुजुर्ग माता-पिता, पत्नियों, भाइयों या बहनों को न्याय नहीं दिलाया।''

उपराज्यपाल ने 'संघर्ष उद्यमियों' (अपने निहित स्वार्थ के लिए अशांति पैदा करने वाले लोगों) को कड़ी चेतावनी देते हुए उनसे देश की संप्रभुता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाला विमर्श नहीं फैलाने को कहा।

शिवराज ने काफिला रुकवाकर हादसे में घायल युवक को भिजवाया अस्पताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को राजधानी भोपाल में अपना काफिला रुकवाकर सड़क हादसे में घायल एक युवक को अस्पताल भिजवाया और उसके इलाज की समुचित व्यवस्था कराई।

शिवराज के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि पूर्व मुख्यमंत्री अवधपुरी क्षेत्र में जैन समाज के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने जा रहे थे तभी चेतक पुल पर भीड़ इकट्ठा देख उन्होंने अपना काफिला रुकवाया। इस दौरान उन्हें पता चला कि एक युवक हादसे में घायल हो गया है और सड़क किनारे पड़ा हुआ है।

बयान के मुताबिक, शिवराज ने अपने काफिले की गाड़ी से युवक को अस्पताल भिजवाया और साथ में अपनी टीम के एक अधिकारी को भी उसके साथ भेजा।

बयान में कहा गया, चौहान ने तत्काल नजदीक के अस्पताल के डॉक्टर से फोन पर बात की और घायल युवक का जल्द से जल्द इलाज करने के निर्देश दिए।

दिल्ली के शाहदरा में कांवड़ मार्ग पर कांच के टुकड़े मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने शाहदरा के गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) और झिलमिल कॉलोनी इलाकों में सड़कों पर टूटे हुए कांच के टुकड़े बिखरे पाए जाने के बाद मामला दर्ज किया है। ये दोनों इलाके कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है ताकि पता लगाया जा सके कि कांच किसी क्षतिग्रस्त वाहन का था या बदमाशों ने जानबूझकर फेंका था। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सीमापुरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और विस्तृत जांच जारी है। यह घटना तब प्रकाश में आई, जब दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर यह मामला उठाया। उन्होंने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की और आश्वासन दिया कि कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंत्री वी. सोमन्ना ने चल्लघट्टा गेट पर रोड अंडर ब्रिज का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने बेंगलूरु-मैसूरु रेल मार्ग के केंगेरी-हेज्जला खंड में लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 16 (रामोहल्ली गेट) पर एक नए रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का शिलान्यास किया और लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 15 (चल्लघट्टा गेट) के स्थान पर एक पूर्ण रोड अंडर ब्रिज का उद्घाटन किया। इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं से क्षेत्र में यातायात और सड़क सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

इस अवसर पर बोलते हुए, वी. सोमन्ना ने देश भर में रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज परियोजनाओं के पूर्ण वित्तपोषण और क्रियान्वयन के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में 640 से अधिक रोड अंडर ब्रिज और रोड ओवर ब्रिज (आरयूबी और आरओबी) पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित चल्लघट्टा आरयूबी और आगामी रामोहल्ली आरयूबी, लेवल क्रॉसिंग पर देरी को कम करके और मैसूरु रोड की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करके स्थानीय यात्रियों को बड़ी राहत प्रदान करेंगे।

सोमन्ना ने कहा कि अगले तीन वर्षों के भीतर बेंगलूरु के 100 किलोमीटर के दायरे में सभी लेवल क्रॉसिंग गेटों को समाप्त करने की योजना है। उन्होंने शहर में चल रही और आगामी कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में भी बात की, जिनमें स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत यशवंतपुर और बेंगलूरु छावनी स्टेशनों का पुनर्विकास और केएसआर बेंगलूरु स्टेशन का विश्व स्तरीय मानकों के अनुरूप उन्नयन शामिल है।

मंत्री ने आगे कहा कि केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर दो नए प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना प्रगति पर है, बायप्पनहल्ली-होसुर लाइन का दोहरीकरण किया जा रहा है, और बेंगलूरु के पास एक मेगा कोचिंग टर्मिनल विकसित किया जाएगा।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आरयूबी के निर्माण से स्थानीय निवासियों की लंबे समय से लंबित मांगें पूरी होंगी और महत्वपूर्ण स्थानों व धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले यात्रियों को लाभ होगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि लंबे प्रतीक्षा समय को कम करने और सड़क दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए लेवल क्रॉसिंग को हटाना आवश्यक है। उन्होंने देश भर में इस तरह के बुनियादी ढाँचे के उन्नयन में तेज़ी लाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। इस अवसर पर माननीय विधान परिषद सदस्य टी.एन. जावरायी गौड़ा; बेंगलूरु मंडल के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष माथुर; वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) राजीव शर्मा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डीजल ले जा रही मालगाड़ी में आग लगने से 18 डिब्बे जलकर खाक, रेल सेवा बाधित

चेन्नई। उत्तरी तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में रविवार को डीजल ले जा रही एक मालगाड़ी में आग लग गई जिससे 18 डिब्बे जलकर खाक हो गए, जबकि चेन्नई-आरक्कोनम खंड पर ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। दक्षिणी रेलवे ने यह जानकारी दी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन यात्रियों को काफी असुविधा हुई। स्थिति को देखते हुए राज्य परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष बसें चलाईं। दक्षिणी रेलवे की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, डीजल ले जा रही मालगाड़ी के कुछ मध्यवर्ती डिब्बों में लगभग साढ़े पांच बजे तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन को पार करते समय आग लग गई तथा कई अन्य डिब्बे (इंजन से तीसरे डिब्बे के बाद) पटरी से उतर गए। विज्ञप्ति के अनुसार, मालगाड़ी के 18 डिब्बे जलकर खाक हो गए।

मालगाड़ी चेन्नई हार्बर से वालाजा रोड साइडिंग (वालाजाबाद) जा रही थी। आग लगने से आसमान में घना धुआं फैल गया। घटना के बाद दमकल की कई गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। राज्य के अल्पसंख्यक एवं प्रवासी तमिल कल्याण मंत्री एस एम नासर ने अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। आग और धुएं को देखते हुए घटनास्थल के पास रहने वाले लोगों को सुरक्षित आश्रयों में भेजा गया। रेल सेवाएं बाधित होने के कारण राज्य परिवहन निगमों ने 170 से अधिक विशेष बस सेवाएं संचालित कीं।

रेलवे ने बताया, तीसरे डिब्बे में आग लगने की सूचना मिलते ही लोको पायलट ने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाए और तिरुवल्लूर स्टेशन मास्टर ने एहतियात के तौर पर 'ओवरहेड' बिजली आपूर्ति बंद कर दी। रेलवे ने कहा, हालांकि जब तक ट्रेन को पूरी तरह रोका गया, तब तक आग 19वें डिब्बे तक फैल चुकी थी। इसके परिणामस्वरूप चेन्नई को बेंगलूरु, केरल और रेनुगुंटा/तिरुपति से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण चेन्नई-अरक्कोनम खंड में ट्रेन संचालन को निलंबित करना पड़ा।

कांग्रेस शासित राज्य खराब वित्तीय स्थिति के कारण रिक्तियों को भरने में असमर्थ : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक जैसे कांग्रेस शासित राज्यों में खराब वित्तीय स्थिति के कारण सरकारें रिक्त पदों को भरने में असमर्थ हैं। हालांकि, उन्होंने देश में रोजगार दर बढ़ाने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। बेरोजगारी के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा केंद्र की भाजपा सरकार पर कथित तौर पर निशाना साधे जाने से संबंधित एक सवाल का जवाब देते हुए जोशी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह खुद विस्तार से बताने के बजाय अपने सलाहकारों के कहने पर बयान दे देते हैं।

जोशी ने कहा, राहुल गांधी हमेशा विस्तार से नहीं बताते। वह अपने सलाहकारों से मिले 'फीडबैक' के आधार पर ही प्रतिक्रिया दे देते हैं। वह व्यक्तिगत रूप से विस्तारपूर्वक नहीं बताते। खासकर कोविड-19 के बाद रोजगार दर में जबरदस्त वृद्धि हुई है, ईपीएफओ के आंकड़े खुद यह दर्शाते हैं।

उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जहां तक केंद्र सरकार में रिक्तियों को भरने का सवाल है तो 2022 से लेकर आज तक हर महीने रोजगार मेला लगता है और हर महीने 50,000 से एक लाख लोगों को नौकरी दी जाती है।

उन्होंने कहा, पिछले ढाई साल में अब तक विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थानों में साढ़े सात लाख से ज्यादा लोगों की भर्ती की जा चुकी है। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा राज्य में दो लाख से ज्यादा रिक्त पदों को न भरने का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये रिक्तियां इसलिए नहीं भरी जा सकीं क्योंकि सरकार स्वयं सेवारत कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दे पा रही है। उन्होंने दावा किया, 'वे (कर्नाटक सरकार) सेवारत कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दे पा रहे हैं। वेतन भुगतान में 10-15 दिन से लेकर 20 दिन तक की देरी हो रही है। उनकी (सरकार की) आर्थिक स्थिति खस्ता है, इसलिए वे रिक्तियों को नहीं भर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'किसी और विषय पर बात करने से पहले मैं राहुल गांधी से कहूंगा कि वह कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में जो हो रहा है, उस पर नजर डालें। इन तीनों राज्यों में उनकी पार्टी की सरकारें हैं और इनकी हालत बहुत खराब है।'

कर्नाटक में कांग्रेस के भीतर ही विधायकों की खरीद-फरोख्त के प्रयास हो रहे : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली।कांग्रेस के एक विधायक द्वारा भाजपा पर कर्नाटक सरकार गिराने का आरोप लगाए जाने के बीच केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को पलटवार करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के मद्देनजर सत्तारूढ़ पार्टी में ही विधायकों की ''खरीद-फरोख्त'' के प्रयास हो रहे हैं। कांग्रेस के एक विधायक ने दावा किया है कि भाजपा कर्नाटक में सरकार गिराने की योजना बना रही है और उसने केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से 55 विधायकों को निशाना बनाने के लिए एक सूची तैयार की है। हुंगुंड से कांग्रेस विधायक विजयानंद कशप्पनवर ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने 55 कांग्रेस विधायकों की सूची तैयार की है, ताकि अगर वे भाजपा में शामिल नहीं हुए, तो उन पर ईडी या सीबीआई के छापे डलवाए जा सकें। विजयानंद के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए जोशी ने कहा, ''क्या उन्होंने (विजयानंद ने) ईडी की सूची में आने के लिए कुछ (गलत) किया है? जिन्होंने गलत किया है, वे ईडी की नजर में आएंगे, दूसरे नहीं। जो सही हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है और उन्हें किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। 55 विधायकों का यह दावा मुद्दों को भटकाने की साजिश है।

'' पत्रकारों से यहां बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने समर्थन जुटाने के लिए कांग्रेस विधायकों की खरीद-फरोख्त शुरू कर दी है।

जोशी ने दावा किया, ''सिद्दरामय्या ने हाल ही में कहा था कि शिवकुमार के पास ज्यादा विधायकों का समर्थन नहीं है, इसलिए दोनों अपने-अपने पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए अपने धनबल का इस्तेमाल कर रहे हैं। विधायकों को खरीदने के लिए तैयार दोनों ही लोग वहां (कांग्रेस में) मजबूत हैं, इसलिए हमारे (भाजपा) लिए वहां प्रयास करने का कोई मौका नहीं है और हम ऐसी चीजों में शामिल नहीं होना चाहते।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा का आधिकारिक रुख जनादेश के विरुद्ध नहीं जाने का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पांच साल का कार्यकाल पूरा करना चाहिए, क्योंकि उसके पास जनादेश है, लेकिन आंतरिक कलह के कारण वे ऐसा नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए वे विधायकों से ऐसे बयान दिलवा रहे हैं कि भाजपा उनके 55 विधायकों को निशाना बना रही है।

बामुल किसान संगठन, इसे बढ़ाना हमारा कर्तव्य : डीके सुरेश

नंदिनी उत्पादों का अधिक उपयोग करें, संगठन को बचाएं और बढ़ाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मागड़ी। बामुल के अध्यक्ष डी.के. सुरेश ने कहा, बामुल किसान संगठन को बढ़ाना हमारा कर्तव्य है। मैं यह काम करूँगा। इसके लिए सभी नेताओं का समर्थन ज़रूरी है। मैं सभी से चर्चा करूँगा। सुरेश ने रविवार को मागड़ी में आयोजित एक सम्मान समारोह में यह बात कही।

मुझे डेयरी का वेतन नहीं, बल्कि डेयरी के लाभ चाहिए। जब तक मैं यहाँ हूँ, मैं ईमानदारी से काम करूँगा। मुझ पर जो भरोसा जताया गया है, उसके अनुसार काम करूँगा। मेरा अनुरोध है कि नंदिनी को बचाएँ, उसे बढ़ाएँ और उसके उत्पादों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि हम माँग के अनुसार नंदिनी उत्पादों की आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। उदाहरण के लिए, हम पनीर की माँग का केवल 5 प्रतिशत ही आपूर्ति कर पा रहे हैं। हमारा लक्ष्य इसे और बढ़ाना है। लोगों को नंदिनी उत्पादों का अधिक उपयोग करके बाज़ार का विस्तार करना चाहिए।

होसकोटे में 22 एकड़ और दोड्डबल्लापुर में 8 एकड़ ज़मीन है, और वहाँ के लोगों की माँग है कि वहाँ भी एक दुग्ध प्रसंस्करण केंद्र खोला जाए। उन्होंने कहा कि मैं मागड़ी तालुका के विकास के लिए हाथ मिलाऊँगा। कावेरी, हेमावती और येत्तिनाहोले से पानी आने की संभावना है। इसका उचित उपयोग किया जाना चाहिए। हम इस प्रशंसा के पात्र तभी साबित होंगे जब हम आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप अच्छा काम करेंगे। मुझे दुग्ध सहयोग के क्षेत्र में ज़्यादा अनुभव नहीं है। मैं बस इस क्षेत्र की प्रक्रिया और प्रशासन के बारे में ईमानदारी से सीख रहा हूँ। मुझे जो सवाल परेशान करता है वह यह है कि मुझे बुरा बनना चाहिए या अच्छा। बुरा बनने के अलावा मेरी कोई और नियति नहीं है।

उन्होंने कहा, मैंने अधिकारियों और निदेशकों के साथ कई अलग-अलग बैठकें की हैं। उन्होंने कहा है कि किसानों और संस्थान को बचाने के लिए आप जो भी फैसला लेंगे, हम उसके लिए प्रतिबद्ध हैं। यह मेरा संस्थान है, किसी निदेशक का संस्थान नहीं, बल्कि एक सरकारी संस्थान है। यह किसानों के पसीने से बना संस्थान है। दूध संग्रहकर्ताओं का संस्थान, दूध विक्रेताओं का संस्थान। हर विभाग में समस्याएँ हैं, और सबका समाधान होना चाहिए। किसान, विक्रेता, उपभोक्ता, सभी का भला होना चाहिए।

हमारे संघ में 1.28 लाख किसान दुग्ध उत्पादन कर रहे हैं। मगदी में 12 हज़ार किसान दुग्ध उत्पादन कर रहे हैं। आप अधिक गायों का पालन-पोषण करके हमारा सहयोग करें। आपको आवश्यक वित्तीय सहायता के लिए, मैंने जिला सहकारी बैंक के अधिकारियों को 3 प्रतिशत ब्याज दर पर 2 गायें खरीदने के लिए 2 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया जाएगा और किसानों को उनके दूध की गुणवत्ता के बारे में तुरंत जानकारी देने के लिए आवश्यक तकनीक लगाई जाएगी। यह जानकारी आपको प्रतिदिन प्रदान की जाएगी।

सिद्दरामय्या ने गडकरी से शिवमोगा में पुल उद्घाटन समारोह स्थगित करने का आग्रह किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से 14 जुलाई को शिवमोगा की सागरा तालुका में सिगंदूर पुल के उद्घाटन और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह को स्थगित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से इसकी सूचना नहीं दी गई थी। विजयपुरा जिले के इंडी तालुका के अपने निर्धारित दौरे का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने गडकरी को लिखे एक पत्र में कहा कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के लिए इस तरह का कार्यक्रम निर्धारित करने से पहले राज्य सरकार से परामर्श करना अधिक उपयुक्त होता और उन्होंने गडकरी से इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया।

सिद्दरामय्या ने अपने पत्र में कहा, मेरे संज्ञान में आया है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के साथ मिलकर 14 जुलाई, 2025 को शिवमोग्गा जिले की सागर तालुका के नेहरू फील्ड में राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास समारोह कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है और मुझे भी आमंत्रित किया गया है। हालांकि, मुझे इस कार्यक्रम के बारे में पहले से सूचित नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि उसी दिन विजयपुरा जिले के इंडी तालुका में उनकी अध्यक्षता में विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन कार्यक्रम पहले से ही निर्धारित है। सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम निर्धारित करने से पहले सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के लिए राज्य सरकार के साथ परामर्श करना अधिक उपयुक्त होता।

आवारा कुत्तों को खाना खिलाने का फैसला फायदे और नुकसान का मूल्यांकन करने के बाद लिया गया : बीबीएमपी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलुरु में लगभग 4,000 आवारा कुत्तों को खाना उपलब्ध कराने के लिए 2.88 करोड़ रुपये की अपनी योजना का विवरण साझा करते हुए, बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने रविवार को स्पष्ट किया कि उसने इस पहल के फायदे और नुकसान की समीक्षा करने के बाद इस संबंध में निविदा आमंत्रित की है। इसने कहा कि परियोजना की लागत में प्रति जोन भोजन के लिए 100 स्थान स्थापित करना, जिससे वर्ष के 365 दिन प्रति जोन 500 कुत्तों को प्रतिदिन एक बार भोजन उपलब्ध कराया जा सके। बीबीएमपी ने कहा कि इस तरह प्रति कुत्ते पर दैनिक खर्च 19 रुपये (करों को छोड़कर) है।

बीबीएमपी पशुपालन विभाग के विशेष आयुक्त सुरलकर विकास किशोर द्वारा जारी स्पष्टीकरण के अनुसार, इसमें दैनिक परिवहन, भोजन वितरण और भोजन स्थलों की सफाई के लिए आठ रुपये और भोजन की लागत के लिए 11 रुपये शामिल हैं। बीबीएमपी ने कहा कि उसका आहार कार्यक्रम भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा जारी पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुरूप है। उसने कहा कि चूंकि कुत्ते मांसाहारी होते हैं, इसलिए भोजन पौष्टिक रूप से संतुलित होगा, जिसमें उबला हुआ चिकन (प्रोटीन के लिए), चावल और सब्जियां शामिल होंगी। इसने यह स्पष्ट किया कि निविदा में केवल भोजन के पोषक तत्वों की सूची दी गई है, और ''बिरयानी'' शब्द कहीं भी नहीं है। बीबीएमपी ने कहा कि भोजन उपयुक्त, पौष्टिक रूप से संतुलित और पशु चिकित्सा सलाह पर आधारित होगा। नागरिक निकाय ने अपने स्पष्टीकरण में मीडिया और सोशल मीडिया पर इस मामले पर व्यापक सार्वजनिक चर्चा और विश्लेषण का हवाला दिया।

केरल के राज्यपाल ने विवाद के बीच स्कूलों में 'गुरु पूजा' का समर्थन किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने लोगों के एक वर्ग द्वारा की जाने वाली 'गुरु पूजा' की प्रथा का रविवार को पुरजोर तरीके से बचाव किया और कहा कि शिक्षकों के चरणों में पुष्प अर्पित करना भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। राज्यपाल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) सरकार ने राज्य के दो सीबीएसई स्कूलों में हाल ही में 'पद पूजा' (पैर धोने की रस्म) किए जाने की कड़ी आलोचना की।

राज्यपाल ने अनुष्ठान को लेकर की गई आलोचना पर सवाल उठाया और पूछा, मुझे समझ नहीं आता कि ये लोग किस संस्कृति से आते हैं। राज्य सरकार ने इस रस्म को लेकर इन स्कूलों के प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा है। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने शनिवार को उन खबरों पर आश्चर्य व्यक्त किया कि छात्रों से सेवानिवृत्त शिक्षकों के पैर धुलवाए गए। उन्होंने इस कृत्य को 'निंदनीय' और 'लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध' बताया।

राज्यपाल ने रविवार को बलरामपुरम में दक्षिणपंथी संगठन बालगोकुलम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''गुरु पूजा हमारी संस्कृति का हिस्सा है, जहां हम अपने गुरुओं के चरणों में पुष्प अर्पित करते हैं... लेकिन कुछ लोगों को इस पर आपत्ति है।

मंदिर लूट पर मुख्यमंत्री स्टालिन की चुप्पी सहमति दर्शाती है

एचआर एंड सीई संपत्तियों पर श्वेत पत्र की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को हिंदू मंदिरों की संपत्ति की लूट को रोकने के लिए हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) विभाग के नियंत्रण में भूमि और संपत्तियों का विवरण देते हुए तुरंत एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। कॉलेजों के निर्माण के लिए मंदिर निधि के उपयोग को लेकर हुए हालिया विवाद ने मंदिर की संपत्तियों के प्रबंधन में डीआईएन सरकार की स्पष्टता और पारदर्शिता की कमी को उजागर कर दिया है। जैसा कि तमिलनाडु में विपक्ष के नेता, एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने सही ही कहा है, 'सरकारी धन के बजाय मंदिर निधि का उपयोग करके कॉलेज क्यों बनाए जा रहे हैं? यह प्रश्न सरकार की गलत प्राथमिकताओं और मंदिर के संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में उसकी विफलता को उजागर करता है।'

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार इस कहानी को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है और दावा कर रही है कि पलानीस्वामी मंदिरों के धन का इस्तेमाल शिक्षा के लिए करने के खिलाफ हैं। हालाँकि, यह उनके रुख का घोर मिथ्या चित्रण है। पलानीस्वामी का सवाल सरल लेकिन प्रासंगिक है: सरकारी धन का इस्तेमाल कॉलेजों के निर्माण के लिए क्यों नहीं किया जाता? यह सवाल इन संस्थानों के रखरखाव के लिए स्थायी वित्त पोषण की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेज जैसे बुनियादी ढाँचे के निर्माण में भारी निवेश की आवश्यकता होती है, लेकिन उनके संचालन को बनाए रखने के लिए एक स्थिर वित्तीय स्रोत की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, एक सरकारी कला और विज्ञान महाविद्यालय को कर्मचारियों के वेतन, उपयोगिताओं और रखरखाव के लिए धन की आवश्यकता होती है। एक विश्वसनीय राजस्व स्रोत के बिना, एक भव्य इमारत भी बेकार हो जाएगी। मंदिरों द्वारा वित्तपोषित महाविद्यालयों से सरकारी सहायता के बिना कार्य करने की अपेक्षा करना अव्यावहारिक है, खासकर जब वे निजी संस्थानों की तरह अत्यधिक शुल्क नहीं ले सकते। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ निधि (एचआर एंड सीई) विभाग के अंतर्गत आने वाले मंदिरों के पास विशाल भूमि और संपत्ति है। यदि इन संपत्तियों को बाजार मूल्य पर पट्टे पर या किराए पर दिया जाए, तो आय का उपयोग मंदिर के धन से निर्मित कॉलेजों को सफलतापूर्वक चलाने के लिए किया जा सकता है। दुर्भाग्य से, द्रमुक सरकार ने इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किया है, बल्कि बाजार मूल्य से अधिक किराया दिए बिना मंदिरों की भूमि का उपयोग सरकारी कार्यालयों के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार की कार्रवाई उसके हिंदू विरोधी रुख को दर्शाती है, जो समुदाय के दीर्घकालिक लाभों की बजाय अल्पकालिक लाभों को प्राथमिकता देती है। मंदिर की संपत्तियों का प्रभावी ढंग से उपयोग न करके, सरकार हिंदू समुदाय को संभावित लाभों से वंचित कर रही है। यह ज़रूरी है कि मुख्यमंत्री स्टालिन तुरंत कार्रवाई करें और एक श्वेत पत्र जारी करें जिसमें एचआर एंड सीई के नियंत्रण में मंदिर की ज़मीनों और संपत्तियों, बकाया किराए और बाज़ार दरों पर संपत्तियों को पट्टे पर देने या किराए पर देने से होने वाले संभावित राजस्व का विवरण हो। तमिलनाडु सरकार की प्राथमिकता मंदिर की ज़मीनों और संपत्तियों को बाज़ार मूल्य पर पट्टे पर देकर राजस्व बढ़ाना होनी चाहिए, न कि मंदिर के धन से कॉलेज बनवाना।

पिछड़े समुदायों के छात्रों को हीन भावना से ऊपर उठना होगा : केवी प्रभाकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के.वी. प्रभाकर ने कहा कि पिछड़े समुदायों के छात्रों और संत कनकदास के अनुयायियों को हीन भावना से उबरना होगा। वे कनक कर्मचारी संघ और जिला कुरुबा विद्या संवर्धक संघ द्वारा आयोजित एक प्रतिभा पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे। प्रभाकर ने कहा, जो लोग इतिहास नहीं जानते, वे भविष्य नहीं बना सकते। आज हमारे समुदाय के सदस्यों को उपलब्धि प्राप्त करने वालों के रूप में सम्मानित किया जा रहा है, यह हमारे बुजुर्गों के संघर्षों का ही परिणाम है।

उन्होंने समुदाय की शैक्षिक यात्रा का वर्णन किया अक्षर सीखने के लिए दंड सहने से लेकर अपनी स्वयं की शैक्षिक संस्थाओं की स्थापना तक, जो अब एसएसएलसी से एमबीबीएस स्तर तक की प्रतिभाओं का पोषण करती हैं।

प्रभाकर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कनकदास के प्रति भक्ति स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन लोगों को संत के क्रांतिकारी संदेश को भी समझना चाहिए। उन्होंने कहा, कनकदास केवल भक्ति के बारे में नहीं थे, उन्होंने स्थानीय भाषा में अपनी रचनाओं के माध्यम से जातिगत भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जब संस्कृत थोपी गई थी। सलाहकार ने कनकदास को केवल पूजा तक सीमित न रखने के प्रति आगाह किया और इसे उनकी क्रांतिकारी विरासत को मिटाने की एक चाल बताया। उन्होंने आगे कहा, हमें एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए अपने बच्चों को शिक्षा और जीवन मूल्य, दोनों सिखाना चाहिए।

प्रभाकर ने प्रतिभा पुरस्कारों को आत्मविश्वास का रक्त संचार बताया जो पूरे समुदाय को मजबूत करेगा। आज के शिक्षित युवाओं की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने करुणा की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और एक ऐसे समाज की वकालत की जहाँ वृद्धाश्रम न हों। इस कार्यक्रम में कागिनेली महासंस्थान के जगद्गुरु डॉ. निरंजनानंदपुरी, सांसद प्रभा मल्लिकार्जुन, कोप्पल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.के. रवि और बाल भवन के अध्यक्ष बी.आर. नायडू सहित अन्य लोग शामिल हुए।

रामगंज इलाके में दो समुदायों के बीच पथराव के बाद तनाव, सात लोग हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के रामगंज थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात दो समुदायों के बीच मामूली कहासुनी के बाद पथराव के बाद तनाव फैल गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों समुदायों के सात लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

उसने बताया कि घटना शनिवार देर रात पहाड़गंज इलाके में हुई जब दो समुदायों के बीच मामूली कहासुनी के बाद पथराव हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। उन्होंने बताया कि घटना में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राशि डोगरा ने बताया कि शनिवार रात नियंत्रण कक्ष को पहाड़गंज में दो समुदायों के बीच विवाद की सूचना के बाद पथराव की सूचना मिली। उन्होंने कहा, रामगंज थाने के पास तैनात पुलिस बल कुछ मिनट के भीतर घटना स्थल पर पहुंच गया और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। थानाधिकारी सुभाष यादव ने बताया कि रविवार सुबह स्थिति शांतिपूर्ण रही।

उन्होंने कहा, पुलिस दल लगातार गश्त कर रहा है और सभी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। इस सिलसिले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया और उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, इलाके में लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह किया गया है। थाना प्रभारी ने कहा लोगों को सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों से बचना चाहिए।

प्रदेश का प्रथम ग्रीन बजट पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान – हरियाळो–राजस्थान' के ब्लॉक स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम जोधपुर जिलें की ग्राम पंचायत दुन्दाड़ा पंचायत समिति लूणी में रविवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। पटेल ने कहा डबल इंजन की सरकार समग्र एवं समावेशी विकास के लिए कृत संकल्पित हो कर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश का प्रथम ग्रीन बजट पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा ग्रीन बजट का लक्ष्य वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्य प्राप्त करना है। उन्होंने कहा गत वर्ष मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 7 करोड़ पौधे लगाए गए थे,इस वर्ष हर परिवार को जोड़ते हुए 10 करोड़ पौधे लगाने एवं पालने का लक्ष्य रखा है।

पटेल ने कहा यह अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए हरित एवं सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने कहा आज जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट से जूझ रहा है और आज प्रकृति एवं पर्यावरण की रक्षा अधिकाधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष युवाओं को एक लाख 25 हजार पदों पर सरकारी नौकरी दी जा रही है। उन्होंने कहा वर्षों से लम्बित ड्राइवर और चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों की भर्ती प्रक्रियाधीन है। पटेल ने कहा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नर्सिंग कर्मियों के सारे पद भरे गए हैं। उन्होंने कहा मेडिकल ऑफिसर की भर्ती पूर्ण हो गई और जल्द ही नियुक्ति दी जाएगी।

पटेल ने कहा लूणी क्षेत्र के विकसित और आधुनिक सड़क तंत्र के लिए लगभग 4 अरब से अधिक लागत के सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत करवाए गए है। उन्होंने कहा 5 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में अटल प्रगति पथ का निर्माण चरणबद्ध रूप से करवाया जा रहा है। पटेल ने कहा कि विद्यालय सहित सभी सामुदायिक स्थानों को स्वच्छ एवं हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करना हमारी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का आह्वान किया।

कन्हैयालाल की पत्नी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा, कहा: 'उदयपुर फाइल्स' फिल्म रिलीज हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर रोक लगाये जाने के बाद उदयपुर के कन्हैयालाल की विधवा जशोदा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर इस फिल्म की रिलीज सुनिश्चित करने का आग्रह किया है ताकि पूरी दुनिया को सच्चाई पता चल सके। यहां 28 जून 2022 को कन्हैयालाल की मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने कथित रूप से बेरहमी से हत्या कर दी थी। यह फिल्म इसी हत्याकांड पर आधारित है।

अपने कतिपय पत्र में जशोदा ने आरोप लगाया कि मुस्लिम संगठनों और उनके वकील कपिल सिब्बल ने अदालत से फिल्म पर रोक लगवा दी। यह पत्र शनविार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया। जशोदा ने लिखा, मैंने खुद फिल्म देखी है। यह सिर्फ कन्हैयालाल की हत्या की कहानी है, उसमें तो कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा,आपसे प्रार्थना है कि इस फिल्म को रिलीज करा दीजिए ताकि पूरी दुनिया को सच्चाई पता चल सके।

पत्र में उन्होंने लिखा है,तीन साल पहले उन्हें मार दिया गया और अब ये वकील कपिल सिब्बल कह रहे हैं कि जो हुआ उसे फिल्म में दिखा भी नहीं सकते। मेरे बच्चे बता रहे हैं कि फिल्म पर अब मोदी सरकार फैसला करेगी। आपको तो पता ही है कि हमारे साथ कितना गलत हुआ और अब उल्टा वही लोग अदालत में जा रहे हैं जिन्होंने इनको मारा है। जशोदा ने प्रधानमंत्री से मिलने के लिए भी समय मांगा है। उन्होंने कहा है कि वह अपने दोनों बच्चों के साथ उनसे मिलना चाहती हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल में कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक लगा दी। अदालत के स्थगन आदेश के बाद कन्हैयालाल के बेटे यश तेली ने कहा, मेरे पिता के हत्यारों को अभी तक सजा नहीं मिली है। मामला तीन साल से लंबित है। हमें न्याय कब मिलेगा? राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तानी नागरिक सलमान और अबू इब्राहिम को फरार आरोपी बनाया है और मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद एवं मोहम्मद रियाज अत्तारी समेत 11 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। मोहम्मद जावेद और फरहाद मोहम्मद उर्फ बबला को एनआईए अदालत से जमानत मिल चुकी है।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से भारी बारिश

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि रविवार सुबह साढ़े आठ तक पिछले 24 घंटे की अवधि में राज्य में सबसे अधिक 115 मिलीमीटर बारिश मनोहर थाना (झालावाड़) में दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान बांसवाड़ा के सलोपाट में 90 मिलीमीटर, जालौर के जसवंतपुरा में 80 मिलीमीटर और धौलपुर के सैपऊ में 70 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं इस दौरान राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर 10 से 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि राज्य में शनिवार को सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस श्रीगंगानगर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान सिरोही में 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अधिकांश हिस्सों में हवा में औसत आर्द्रता 65 से 100 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई।

एटीएम को काटकर करीब 32 लाख रुपए की नकदी लूटी

सीकर। राजस्थान के सीकर में अज्ञात बदमाश एक एटीएम को गैस कटर से काटकर लगभग 32 लाख रुपए नकद लूट ले गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उद्योगनगर के थानाधिकारी मनोज कुमार भाटीवाड़ के अनुसार शुक्रवार देर रात चार-पांच बदमाश लग्जरी गाड़ी से आए और गैस कटर से एटीएम को काटा। वे लगभग 32 लाख रुपए की नकदी से भरी एटीएम की ट्रे को कार में रख फरार हो गए।

पुलिस आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। करीब सात दिन पहले भी अजीतगढ़ में बदमाश 18 लाख रुपए से भरा एटीएम उखाड़ कर ले गए थे।

मिनी बस ट्रक में घुसी, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जान चली गई। यह हादसा दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस–वे पर चंबल पुल के पास उस वक्त हुआ जब एक तेज रफ्तार मिनी बस आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। बस में इंदौर से सगाई समारोह में शामिल होकर लौट रहा करौली का एक ज्वेलर परिवार सवार था। पुलिस और चश्मदीदों के अनुसार, हादसा सुबह करीब 5 बजे बुढ़ादित थाना क्षेत्र में हुआ। मिनी बस में चालक को झपकी आ गई, जिससे उसने नियंत्रण खो दिया और बस सामने चल रहे ट्रक में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी बस के परखच्चे उड़ गए। बस में सवार 4 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतकों की पहचान गीता सोनी (63), उनके दो बेटे ब्रजेश सोनी (45) और अनिल सोनी (48), तथा दामाद सुरेश सोनी (45) के रूप में हुई है। गीता सोनी के बेटे अनिल और ब्रजेश ज्वेलरी का कारोबार करते थे, जबकि दामाद सुरेश भरतपुर में सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुजीत शंकर के अनुसार प्रथम दृष्टया हादसे का कारण ड्राइवर को नींद आना माना जा रहा है। बस की रफ्तार काफी तेज थी और चंबल पुल पर वह सीधे ट्रक में जा घुसी। मिनी बस की स्थिति देखकर हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सोनी परिवार शनिवार को मध्य प्रदेश के इंदौर गया था, जहां परिवार के एक सदस्य का सगाई और गोदभराई समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद परिवार के 14 लोग एक मिनी ट्रैवलर बस से रात करीब 9 बजे इंदौर से करौली के लिए रवाना हुए थे। सुबह तड़के कोटा के पास यह हादसा हो गया। घटना के बाद बुढ़ादित पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत कोटा के एमबीएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। चार गंभीर रूप से घायलों को प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। बाकी का इलाज एमबीएस अस्पताल में ही चल रहा है। तीन घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

अनिल सोनी के भतीजे संजय सोनी के मुताबिक बस में मौजूद सानिया, ममता, संजू, छोटू सहित कई लोग घायल हुए हैं। इनमें से 7 लोगों का इलाज अभी चल रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, कुछ घायलों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

इस हादसे ने एक बार फिर से लंबी दूरी की यात्राओं में ड्राइवरों की सतर्कता और पर्याप्त विश्राम की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर को नींद आने की वजह से यह हादसा हुआ है। हालांकि, मिनी बस के ड्राइवर की स्थिति की जानकारी स्पष्ट नहीं हो पाई है वह भी घायल हुआ है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बस की हालत देखकर साफ है कि उसकी रफ्तार 100 किलोमीटर प्रतिघंटा से कम नहीं रही होगी। नींद की एक झपकी ने एक खुशहाल परिवार को उजाड़ दिया। करौली के सीताबाड़ी इलाके में इस हादसे की खबर जैसे ही पहुंची, पूरे मोहल्ले में मातम पसर गया। सोनी परिवार इलाके में प्रतिष्ठित और सामाजिक रूप से सक्रिय माना जाता था। एक ही परिवार के चार सदस्यों की एक साथ मौत ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय विधायक और प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। प्रशासन की ओर से फिलहाल किसी सरकारी मुआवजे की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन स्थानीय लोगों ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। यह घटना सिर्फ एक सड़क हादसा नहीं, बल्कि एक व्यवस्था और जिम्मेदारी का सवाल भी है जहां यात्रियों की सुरक्षा के लिए ड्राइवरों की फिटनेस और सतर्कता पर नियमित निगरानी बेहद जरूरी है।

चर्चा

जोधपुर सर्किट हाउस में रविवार को केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जलदाय विभाग के अधिकारियों से शहर की जल संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा के दौरान।

सीकर में छात्र ने आत्महत्या की, हॉस्टल के कमरे में लगाई फांसी

सीकर। राजस्थान के सीकर में एक छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। यह छात्र सीकर शहर के उद्योग नगर थाना इलाके में नीट की तैयारी कर रहा था। शनिवार रात छात्र ने निजी हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाई। दो दिन पहले ही नीट की तैयारी करने आए छात्र के इस कदम से सब सदमे में हैं। मृतक छात्र की पहचान बालोतरा जिले के समदड़ी निवासी दिनेश कुमार के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, छात्र 2 दिन पहले ही इस हॉस्टल में आया था और सिर्फ एक दिन कोचिंग के लिए गया। शनिवार रात छात्र दिनेश कुमार ने सुसाइड कर लिया। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची उद्योग नगर थाना पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। हालांकि, छात्र के सुसाइड करने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। उद्योग नगर थाना पुलिस परिजनों की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

उद्योग नगर थाने के एसआई रोहताश सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पिपराली रोड स्थित सूर्य नगर में निजी हॉस्टल में एक छात्र ने फांसी लगाई है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो छात्र पंखे से लटका हुआ था। मृतक छात्र के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि 20 वर्षीय छात्र दिनेश कुमार पुत्र राम मिश्रा दो दिन पहले ही हॉस्टल में आया था और सीकर में एक निजी कोचिंग में नीट की तैयारी कर रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक छात्र के कमरे से किसी प्रकार का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम हो चुका है और उसे वापस परिजनों को सुपर्द कर दिया गया है। पुलिस शुरुआती जांच में मानकर चल रही है कि छात्र ने मानसिक तनाव के चलते सुसाइड जैसा कदम उठाया है।

राजस्थान के सरकारी शिक्षकों ने पौधारोपण के सरकारी आदेश को अव्यवहारिक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के सरकारी स्कूलों को नए सत्र की शुरुआत में पौधारोपण अभियान की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है जिसकी वजह शिक्षकों व विद्यार्थियों को सरकार के एक पौधारोपण अभियान के दैनिक और मासिक लक्ष्यों को पूरा करने का काम सौंपा जाना है। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने हरियालो राजस्थान – एक पेड़ मां के नाम मिशन के तहत 10 जुलाई से 10 अगस्त के बीच 25 करोड़ पौधे लगाने का निर्देश दिया है। आदेश के अनुसार, उच्च प्राथमिक कक्षाओं तक के प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिदिन 10 पौधे लगाने होंगे, जबकि प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए प्रतिदिन 15 पौधे लगाने का लक्ष्य है और शिक्षकों को प्रतिदिन 15 पौधे लगाने होंगे।जोधपुर के उपनगरीय क्षेत्र के एक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अभियान पर सवाल करते हुए कहा कि क्या यह किसी भी तरह से व्यावहारिक लगता है? उन्होंने कहा, पौधा लगाना हमारे समय की जरूरत है, लेकिन इतना कठिन लक्ष्य और उसे हासिल करने का दबाव बेमानी है और इससे नियमित काम प्रभावित होता है।उन्होंने कहा कि ज्यादातर स्कूलों में पौधारोपण के लिए जगह ही नहीं है। इससे स्कूल का नियमित काम और प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित होते हैं, क्योंकि अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए मनाना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, आदेश के अनुसार स्कूलों को खुदाई से लेकर पौधारोपण तक की पूरी गतिविधि शिक्षकों को एक 'ऐप' पर अपलोड करनी होगी। शिक्षकों को गड्ढा खोदने के लिए जगह ढूंढ़ने, पौधों को व्यवस्थित करने और फिर यह सुनिश्चित करने की भी चिंता है कि पौधे जीवित रहें, जबकि किसी भी व्यवस्था के लिए कोई वित्तीय प्रावधान नहीं किया गया है।

सरकारी पौधशाला में इतनी बड़ी संख्या में पौधों की उपलब्धता भी चिंता का विषय है। शहर के एक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के एक शिक्षक ने भी आदेश की व्यावहारिकता पर सवाल उठाया और पूछा कि शहरी क्षेत्रों के स्कूलों को इस तरह के पौधरोपण अभियान के लिए पर्याप्त जगह कहां मिलेगी? राजस्थान शिक्षक संघ (अजमेर संभाग) के मीडिया प्रभारी कालू राम ने पूछा कि क्या शिक्षकों को स्कूल चलाना और पढ़ाना है या गड्ढे खोदते और पेड़ लगाते हुए नजर आना है? उन्होंने कहा, इस अभियान में कई महत्वपूर्ण पहलुओं की अनदेखी की गई है और विवेकपूर्ण योजना के अभाव में, यह पूरी प्रक्रिया उद्देश्यहीन साबित होगी।

केंद्र और राज्य सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध : भूपेन्द्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपूतली- बहरोड़ श्र केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव रविवार को नीमराना के बावड़ी के पास आयोजित स्टेटहाईवे–111– (नीमराना से हरियाणा सीमा तक) सड़क के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। यादव ने सड़क शिलान्यास कर आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि नीमराणा में केंद्र सरकार द्वारा 50 करोड़ रुपये की लागत का स्वीकृत स्टेटहाईवे–111– रोड़ नीमराना से नाघोड़ी, घिलोठ, डाबड़वास चावण्डी, माँढ़ण, गिगलाना, रायसराना, बिघाना जाट एवं हरियाणा सीमा की कनेक्टिविटी को बेहतर करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 2 सालों में करीब 270 किमी सड़क के लिए 270 करोड़ रुपए दिए हैं, जिनमें इस 48 किमी सड़क के लिए 50 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

यादव ने कहा कि मेरे यहां आने का मुख्य उद्देश्य नीमराणा की जनता को चुनावों में मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद व आभार जताना था, यहां की जनता से मुझे बहुत ही मान और सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है सरकारी योजनाओं को सौ प्रतिशत पूरा कराना असली धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय है और मैं इसी को पूरा करने का प्रयास कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास एवं आने वाली पीढ़ी के लिए लाइब्रेरी एवं खेल के मैदान विषयों पर ग्रामीणों की चिंता होनी चाहिए, इस पर विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'खेलो इंडिया' और जो 'फिट है वो हिट है' का नारा दिया एवं देशभर में खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए खेल सांसद उत्सव कराने के लिए प्रोत्साहन दिया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी में इस भावना को बढ़ाने के लिए हम सभी को साथ मिलकर आगे आना चाहिए।

यादव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र के साथ मिलकर केंद्र की योजनाओं को पूरा करने की सहमति दिखाई है। उन्होंने कहा कि मैने पिछले 1 साल में लोकसभा क्षेत्र में 383 से अधिक कार्यक्रम किए और लगभग 600 गांवों का दौरा किया एवं आमजन की समस्याओं के निस्तारण का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान की सबसे बड़ी जल समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने जन समस्याओं को समझा एवं केंद्र सरकार ने भी नदियों को जोड़ने के लिए विशेष समिति गठित की एवं प्रधानमंत्री ने पार्वती- काली सिंध- चंबल परियोजना को अनुमोदन दिया।

राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार के समन्वय से केंद्र सरकार ने इस पर पूरा मार्गदर्शन दिया और इसी का परिणाम हुआ कि 28 जनवरी को दोनों राज्यो के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए और प्रधानमंत्री की उपस्थिति में 17 दिसंबर को दोनों राज्यो का एमओयू का आदान-प्रदान भी हुआ।

लखनऊ में नई ब्रह्मोस परीक्षण सुविधा भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की नवनिर्मित एकीकरण और परीक्षण सुविधा रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी।

सिंह ने यह बात लखनऊ में एक कार्यक्रम में कही जहां उन्होंने नेशनल पीजी कॉलेज में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त की प्रतिमा का अनावरण किया और एक डाक टिकट जारी किया। सिंह ने कहा, कुछ दिन पहले ही, मैंने लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की एकीकरण और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। यह सुविधा रक्षा क्षेत्र में हमारे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। इससे रोजगार भी पैदा होगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की सराहना की जिसके कारण राज्य में निवेश बढ़ रहा है और उद्योग फल-फूल रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, बुनियादी ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव हो रहे हैं। एक्सप्रेस वे, हवाई अड्डा, मेट्रो, मेडिकल कॉलेज... ये सभी विकास की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं।

लखनऊ से लोकसभा सदस्य सिंह ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त की भी प्रशंसा की। गुप्त चार बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। सिंह ने कहा, चंद्रभानु गुप्त जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की और अपने त्याग, प्रतिबद्धता और नेतृत्व से लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई। चंद्रभानु गुप्त का जीवन हमें बताता है कि सत्ता का मतलब केवल पद या अधिकार नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी, त्याग और जनता के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा, उनका जीवन हमें यह संदेश भी देता है कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दुश्मनी नहीं होनी चाहिए।

सिंह ने यह भी कहा कि गुप्त एक नेता से ज़्यादा जनसेवक थे। उन्होंने कहा, जब हम उत्तर प्रदेश के गौरवशाली अतीत की चर्चा करते हैं तो स्वाभाविक रूप से चंद्रभानु गुप्त जी का नाम सामने आता है। सिंह ने गुप्त के संघर्षों की चर्चा करते हुए कहा कि देश के आजाद होने के बाद जब संविधान लागू हुआ और आधुनिक लोकतंत्र की नींव पड़ी, तब देश कई बड़ी-बड़ी समस्याओं से जूझ रहा था और उस समय शासन-प्रशासन की चुनौतियां और जिम्मेदारियां भी बहुत बड़ी थी। सिंह ने कहा कि गुप्त जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे तो पहले ही दिन उन्होंने मंत्रियों के वेतन और भत्ते को कम करने का कार्य किया ताकि सरकार के खर्च को कम किया जा सके। रक्षा मंत्री ने कहा, आज देश और प्रदेश में जो प्रशासनिक व्यवस्था काम कर रही है, उसकी नींव रखने में चंद्रभानु गुप्त जी जैसे लोगों का बड़ा योगदान है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर

चुनाव आयोग के दावे पर तेजस्वी ने उठाया सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को निर्वाचन आयोग के इस दावे पर सवाल उठाया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तेज गति से चल रहा है और 25 जुलाई की समय सीमा से पहले इस प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उच्चतम न्यायालय के इस सुझाव पर निर्वाचन आयोग की 'चुप्पी' पर भी कड़ी आपत्ति जताई कि आधार कार्ड और राशन कार्ड को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। इन दस्तावेजों को उन मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाना है जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं थे, जब आखिरी बार एसआईआर कराई गई थी।

तेजस्वी ने कहा, ''निर्वाचन आयोग ने शनिवार को जारी अपने प्रेस नोट में दावा किया है कि राज्य के 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 80 प्रतिशत से अधिक मतदाता पहले ही एसआईआर के तहत गणना फार्म जमा करा चुके हैं। यह एक हैरान करने वाला दावा है, क्योंकि अनुमानतः बिहार के चार करोड़ लोग अन्य राज्यों में रहते हैं।'' पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''हम निर्वाचन आयोग से जानना चाहेंगे कि इस प्रक्रिया में कितने प्रवासियों को शामिल किया गया है। यह सर्वविदित है कि चुनावों के दौरान बड़ी संख्या में लोग वोट डालने के लिए अपने गृह राज्य लौटते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान, अनुमानित 40 लाख प्रवासियों के लिए कई विशेष रेलगाड़ियों का परिचालन करना पड़ा। निर्वाचन आयोग को बताना चाहिए कि इस बार क्या व्यवस्था की गई थी।''

उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा लगता है कि निर्वाचन आयोग आंकड़ों के साथ खेल रहा है ताकि यह गलत धारणा बने कि वह यह काम कुशलतापूर्वक कर रहा है।

तेजस्वी ने कहा, ''हमें शिकायतें मिली हैं कि बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) लक्ष्य हासिल करने के लिए दबाव में हैं और वे संबंधित मतदाताओं से विधिवत हस्ताक्षर और भराई करवाए बिना ही गणना प्रपत्र एकत्र कर रहे हैं।''

भाषा को लेकर विवाद 'घातक' प्रवृत्ति : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने कुछ राज्यों में भाषा को लेकर विवाद और हिंसा पर चिंता जाहिर करते हुए रविवार को इसे 'घातक' प्रवृत्ति बताया और कहा कि धर्म, क्षेत्र, जाति व भाषा आदि की संकीर्ण राजनीति लोगों की देशभक्ति पर हावी होने का प्रयास करती है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हर भारतीय को भारतीयता पर गर्व करके कार्य करना चाहिए।

पार्टी मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, मायावती ने यहां केंद्रीय कैंप कार्यालय में महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल की संगठनात्मक तैयारी और जनाधार बढ़ाने समेत कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर गहन समीक्षा बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। संकीर्ण उद्देश्यों के लिए भाषा और जातीय हिंसा आदि मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मायावती ने केंद्र और राज्य की सरकारों से कानून-व्यवस्था के साथ-साथ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा तथा स्वास्थ्य आदि जैसे जनहित के जरूरी मुद्दों पर खास ध्यान देने की मांग की।

सोनभद्र में तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं को सम्मोहित करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

सोनभद्र (उप्र)/भाषा। सोनभद्र जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र में तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं को सम्मोहित करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से सार्वजनिक हुआ, जिसमें हरहोरी का निवासी सत्येंद्र कुमार (33) अपने क्षेत्र की एक महिला से पूजा पाठ, शुद्धिकरण और तंत्र-मंत्र के लिए लड़की की व्यवस्था करने के लिये कह रहा है।

एएसपी ने बताया कि वीडियो में आरोपी को लड़की को सोनभद्र के दुद्धी के निवासी अवधेश तिवारी (45) के यहां पहुंचाने के लिए कहते हुए सुना जा सकता है।

उन्होंने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद संबंधित महिला की शिकायत पर म्योरपुर थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों सत्येंद्र और अवधेश के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया।

एएसपी ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करके अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पूरी तरह नाकाम हो चुकी है भाजपा की 'ट्रिपल इंजन' सरकार : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बारिश के मौसम में जगह-जगह जलभराव और अन्य परेशानियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि केन्द्र, प्रदेश और नगर निकायों में काबिज सत्तारूढ़ दल की 'ट्रिपल इंजन' सरकार पूरी तरह नाकाम हो चुकी है।

यादव ने यहां एक बयान में दावा किया कि भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार और लापरवाही जनता के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात का मौसम शुरू होते ही नगरों का बुरा हाल हो गया है, नाले उफान पर हैं, सड़कों में गड्ढे हो रहे हैं, नालियां जाम हो रही हैं और बरसात का पानी जगह-जगह जमा हो रहा है।

सपा प्रमुख ने कहा कि जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और शहरों में गंदगी व कूड़े का अम्बार लगा है।

यादव ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन' सरकार पूरी तरह नाकाम हो चुकी है।

सपा प्रमुख ने कहा, ''केन्द्र और प्रदेश की सरकार के साथ ही नगर निकायों में जहां भाजपा वर्षों से काबिज है, वहां बुरा हाल है। काशी, गोरखपुर, लखनऊ से लेकर कानपुर, झांसी तक हर जगह एक जैसी स्थिति है। वर्षों से नगर निगमों पर काबिज भाजपा लोगों को मूलभूत सुविधाएं और साफ-सफाई की व्यवस्था नहीं दे पा रही है। नालों और नालियों की सफाई के बजट का बंदरबांट हो रहा है। सफाई के नाम पर खानापूर्ति हो रही है।''

उन्होंने कहा, ''सरकार बारिश को गंभीरता से ले। सरकार की बदइंतजामी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। प्रदेश में भाजपा की 'ट्रिपल इंजन' सरकार के स्मार्टसिटी, गड्ढा मुक्त सड़कें और जनता की मूलभूत सुविधाओं को लेकर किए जा रहे सारे दावे नाकाम हो चुके हैं। भाजपा सरकार ने नौ साल में जमीन पर कोई काम नहीं किया। इनका विकास जमीन पर नहीं है सिर्फ कागजों पर है।''

देबबर्मा ने त्रिपुरा में 'बिहार मॉडल' के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण की मांग की

अगरतला/भाषा। टिपरा मोथा प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने त्रिपुरा में 2028 में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का 'बिहार की तरह' पुनरीक्षण कराने का रविवार को आह्वान किया।

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया है।

इस प्रक्रिया ने पहले ही विवाद खड़ा कर दिया है। विपक्षी दलों ने मतदाता पंजीकरण के लिए लागू किये जा रहे सख्त मानदंडों पर चिंता जताई है। सोशल मीडिया पर देबबर्मा ने लिखा, ''यही प्रक्रिया पूर्वोत्तर भारत, खासकर त्रिपुरा, में भी लागू की जानी चाहिए और अधिकारियों में हमारे मूल निवासी तिप्रासा लोगों/अधिकारियों को शामिल किया जाना चाहिए।''

भारत में वन कार्बन सिंक कमजोर हो रहे हैं, वनों की गुणवत्ता बढ़ाना महत्वपूर्ण : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने रविवार को एक अध्ययन का हवाला दिया, जो पुष्टि करता है कि वर्तमान और भविष्य के जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों में भारत में वन कार्बन सिंक कमजोर हो रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वनों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि ''ग्लोबल वार्मिंग'' और जलवायु परिवर्तन के युग में वनों को बहुत महत्व दिया गया है, क्योंकि वे प्राकृतिक कार्बन सिंक हैं।

रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अब आईआईटी -खड़गपुर के दो वैज्ञानिकों ने एक विस्तृत रिमोट सेंसिंग-आधारित अध्ययन प्रकाशित किया है, जो इस बात की पुष्टि करता है कि वर्तमान और भविष्य के जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के कारण भारत में वन कार्बन सिंक कमज़ोर हो रहे हैं। वनों की गुणवत्ता बढ़ाना और उनका संरक्षण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हरियाली का मतलब स्वतः ही कार्बन अवशोषण नहीं होता। रमेश ने कहा, भारत के जैव विविधता से भरपूर प्राकृतिक वन गंभीर खतरे में हैं। हम पूरी तरह से इस गलत धारणा पर अड़े हुए हैं कि प्रतिपूरक वनीकरण, योजनाबद्ध तरीके से वनों के कटाव और अच्छी गुणवत्ता वाले वन नुकसान की भरपाई कर सकता है।

होटल के कमरे में पिता ने छह वर्षीय बेटे की हत्या की

पटना/भाषा। पटना रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक होटल के कमरे में एक व्यक्ति ने अपने छह वर्षीय बेटे की कथित तौर पर पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान सनी (छह) के रूप में हुई है, जो प्रभाकर महतो का बेटा था। घटना के बाद आरोपी पिता फरार हो गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सदर-1 अभिनव ने संवाददाताओं को बताया, ''रविवार सुबह सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के पास एक होटल के कमरे में एक व्यक्ति ने अपने छह वर्षीय बेटे को कथित तौर पर पीटा है। पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे को अस्पताल पहुंचाया ,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसडीपीओ के अनुसार, मृतक की मां ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात अपने पति के साथ उसका झगड़ा हुआ, जिसके बाद उसने (आरोपी ने) बेटे को बुरी तरह पीटा और जमीन पर पटक दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। इसके बाद, बच्चे का पिता मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि दंपति अपने बेटे के साथ पटना घूमने आया था और रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में ठहरा हुआ था।

उल्फा (आई) ने अपने शिविरों पर सेना के ड्रोन हमलों का दावा किया

गुवाहाटी/भाषा। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा (आई) ने रविवार को दावा किया कि भारतीय सेना ने म्यांमा सीमा पर उसके शिविरों पर ड्रोन हमले किए हैं, हालांकि सशस्त्र बलों की ओर से इस घटनाक्रम की कोई पुष्टि नहीं की गई है। उल्फा (आई) ने एक बयान में कहा कि उसके कई शिविरों पर तड़के ड्रोन से हमले किए गए। प्रतिबंधित संगठन ने दावा किया कि हमलों में नयन असोम उर्फ नयन मेधी मारा गया, जो इसकी 'निचली परिषद' का 'अध्यक्ष' था, जबकि लगभग 19 अन्य घायल हो गए।

संपर्क करने पर रक्षा प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ऐसी किसी घटना की कोई जानकारी नहीं है। लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा, भारतीय सेना के पास इस तरह के किसी ऑपरेशन की कोई जानकारी नहीं है। उल्फा (आई) ने बाद में एक अन्य बयान में दावा किया कि जब उसके मारे गए सदस्य का अंतिम संस्कार किया जा रहा था, उस दौरान उसके शिविर पर मिसाइलें दागी गईं। संगठन ने कहा कि दूसरे दौर के हमलों में दो अन्य वरिष्ठ सदस्य 'ब्रिगेडियर' गणेश असोम और 'कर्नल' प्रदीप असोम मारे गए, जबकि कई अन्य सदस्य एवं नागरिक घायल हो गए।

ओडिशा: 95 प्रतिशत झुलसी छात्रा मौत से जूझ रही

मुख्यमंत्री ने पीड़िता के परिवार से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को कहा कि सरकार बालासोर स्थित कॉलेज परिसर में कथित यौन उत्पीड़न के बाद खुद को आग लगाने वाली 20 वर्षीय छात्रा के लिए ''बेहतर इलाज'' सुनिश्चित कर रही है।

स्थानीय एम्स में भर्ती छात्रा 95 प्रतिशत तक झुलस जाने के कारण वेंटिलेटर पर है और अस्पताल प्रशासन ने उसकी हालत को ''बेहद गंभीर'' बताया है। माझी रविवार को हवाई अड्डे पर पहुंचते ही एम्स भुवनेश्वर पहुंचे और डॉक्टरों तथा पीड़िता के परिवार के सदस्यों से बात की। माझी दिल्ली के दौरे पर गये थे।

भुवनेश्वर स्थित एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. आशुतोष बिस्वास ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, ''पीड़िता के शरीर का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा गंभीर रूप से झुलस गया है। उसके गुर्दे और फेफड़े भी प्रभावित हुए हैं। वह वर्तमान में आईसीयू में है। बिस्वास ने बताया कि कई विभागों के चिकित्सक छात्रा के इलाज में लगे हुए हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि सुधार के कोई संकेत नहीं हैं।

अस्पताल ने एनेस्थीसिया, 'पल्मोनरी मेडिसिन', 'बर्न एंड प्लास्टिक', 'नेफ्रोलॉजी' और अन्य विभागों के चिकित्सकों की आठ-सदस्यीय एक विशेषज्ञ समिति गठित की है। समिति को आवश्यकतानुसार, किसी भी अतिरिक्त विशेषज्ञ को शामिल करने का अधिकार है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने छात्रा द्वारा आत्मदाह करने की घटना पर स्वत: संज्ञान लेते हुए रविवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा।

आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने ओडिशा के डीजीपी से ''निष्पक्ष और समयबद्ध'' तरीके से जांच सुनिश्चित करने को कहा है।

ओडिशा की दो मुख्य विपक्षी पार्टियां बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने माझी तथा राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज के आवास के निकट प्रदर्शन कर उनके इस्तीफे की मांग की।

इस बीच, तीन-सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज पहुंची, जहां छात्रा ने खुद को आग लगा ली थी। समिति में उच्च शिक्षा निदेशक काली प्रसन्ना महापात्रा, आईएएस अधिकारी, विभाग की संयुक्त सचिव मौसमी नायक और स्वायत्त महाविद्यालय की प्रोफेसर झुमकी रथ शामिल हैं।

बालासोर के फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज में एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम की द्वितीय वर्ष की छात्रा ने शनिवार को एक शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए खुद को आग लगा ली थी। समिति को आत्मदाह के कारणों का पता लगाने, शिक्षा विभाग प्रमुख समीर कुमार साहू के खिलाफ उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने का काम सौंपा गया है। इस बीच, राज्य सरकार ने कॉलेज के प्राचार्य दिलीप घोष को निलंबित कर दिया है और साहू को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

पटना में ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी की गोली मारकर हत्या

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना के पिपरा इलाके में 50 वर्षीय एक ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सुरेंद्र कुमार (50) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि घटना शनिवार रात शेखपुरा गांव में तब हुई, जब कुमार खेत में काम कर रहे थे।

मसौढ़ी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ-2) कन्हैया सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने खेत से गोलियों की आवाज सुनी और जब वे वहां गए, तो अधिकारी अचेत हालत में मिले, जिन्हें गोली लगी हुई थी।

सिंह ने कहा कि कुमार को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की जांच जारी है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''और अब पटना में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या! क्या कहें किससे कहें? राजग सरकार में कोई सच्चाई सुनने वाला नहीं, गलती स्वीकारने वाला नहीं? मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य का सबको पता है, लेकिन भाजपा के दो-दो नकारे उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे है?''

मणिपुर के उग्रवादी समूह लूटे गए हथियारों को स्नाइपर राइफल में बदल रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/इंफाल/भाषा। मणिपुर के मेइती और कुकी समुदायों के जातीय उग्रवादी समूह अपने हथियारों को परिवर्तित कर रहे हैं और उनकी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें जुगाड़ की स्नाइपर राइफल में बदल रहे हैं। इनमें से कई हथियार 2023 में पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए थे। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन हथियारों को विरोधी समुदायों को निशाना बनाने के लिए स्नाइपर राइफल में बदल दिया गया। पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए 6,000 से ज़्यादा हथियारों में .303 राइफल, एके असॉल्ट राइफल और इंसास राइफल और कार्बाइन शामिल थीं।

अधिकारियों ने बताया कि मानक .303 राइफल की मारक क्षमता लगभग 500 मीटर है। उन्होंने बताया कि बंदूक के बट में बदलाव करने और अन्य विशिष्टताओं के साथ विशेष दूरबीन लगाने के बाद, उसी राइफल से चलाई गई गोली अधिक सटीकता और मारक क्षमता के साथ अधिक दूरी तक जा सकती है। एके-47 केवल 300-400 मीटर के दायरे में ही सबसे प्रभावी है। इन बदलावों से पता चलता है कि ये समूह लंबी दूरी से घात लगाकर हमले में शामिल होना चाहते थे, लेकिन इससे पहले कि वे सुरक्षा बलों के लिए कोई नई चुनौती पेश कर पाते, पुलिस ने असम राइफल्स और अन्य अर्द्धसैन्य बलों के साथ मिलकर इंफाल घाटी और पर्वतीय क्षेत्र के विभिन्न जिलों से इन हथियारों को जब्त कर लिया।

मोती की खेती: किसानों को मिल रहा सीपियों को सोने में बदलने का प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड तेजी से भारत के मीठे पानी के मोती उत्पादन केंद्र के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार और केंद्र इस विशिष्ट क्षेत्र को ग्रामीण युवाओं और किसानों के लिए आजीविका के एक प्रमुख अवसर में बदलने के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम और बुनियादी ढांचे का विकास कर रहे हैं।

इस परिवर्तन को तब गति मिली जब केंद्र ने झारखंड सरकार के सहयोग से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत 22 करोड़ रुपए के निवेश के साथ हजारीबाग को प्रथम मोती उत्पादन क्लस्टर के रूप में विकसित करने की अधिसूचना जारी की। राज्य योजना के तहत 2019-20 में एक पायलट (प्रायोगिक) परियोजना के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब कौशल विकास पर केंद्रित एक संरचित पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हो गया है, जिसमें किसानों को मोती की खेती की जटिल कला सिखाने के लिए राज्य भर में विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं। कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष से 2024 में रांची में स्थापित, पुर्टी एग्रोटेक प्रशिक्षण केंद्र, इस प्रशिक्षण क्रांति का केंद्र बनकर उभरा है। यह केंद्र अब तक राज्य भर के 132 से ज़्यादा किसानों को उन्नत मोती उत्पादन तकनीकों का प्रशिक्षण दे चुका है, और ये प्रशिक्षित किसान अब अपने-अपने ज़िलों में दूसरों को भी अपना ज्ञान दे रहे हैं, जिससे कई गुना ज़्यादा फ़ायदा हो रहा है।

एनआईटी जमशेदपुर के मैकेनिकल इंजीनियर बुधन सिंह पूर्ति ने कहा, प्रशिक्षण सफल मोती उत्पादन की रीढ़ है। हम गोल मोती उत्पादन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि इससे डिजाइनर मोतियों की तुलना में अधिक लाभ मिलता है। पूर्ति प्रशिक्षण केंद्र चलाते हैं और गोल मोती उत्पादन में राज्य में मोती तराशने वाले कुछ विशेषज्ञों में से एक बन गए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम कुशल सर्जिकल ग्राफ्टिंग तकनीकों, विशिष्ट उपकरणों के उपयोग और शल्य चिकित्सा के बाद सावधानीपूर्वक प्रबंधन पर ज़ोर देते हैं।

सुविचार

**जो मन से पढ़ाई करता है,
वो न केवल परीक्षा पास
करता है बल्कि जीवन भी।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लोकतंत्र की रक्षा सबकी जिम्मेदारी

बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान 'विदेशी नागरिकों' की मौजूदगी संबंधी खबरें इस बात का संकेत देती हैं कि अब केंद्र सरकार को लोकतंत्र की रक्षा के लिए कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। सबसे अहम सवाल तो यह है कि विदेशी नागरिक, खासकर बांग्लादेशी यहां आकर मतदाता सूची में नाम कैसे जुड़वा लेते हैं? क्या बिहार में स्थानीय प्रशासन इस कदर लापरवाह है कि कोई भी आकर मतदाता बन जाता है? यह सवाल सिर्फ बिहार से जुड़ा हुआ नहीं है। पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम, राजस्थान समेत कई राज्यों में लोगों की शिकायतें हैं कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या आकर वहां के मतदाता बन गए ... उन्होंने राशन कार्ड, आधार कार्ड समेत सभी जरूरी दस्तावेज बनवा लिए! अवैध प्रवासियों का आना और बसना उस इलाके की कानून व्यवस्था के लिए ही खतरा नहीं होता, इससे लोकतंत्र के समक्ष गंभीर चुनौतियां भी पैदा हो सकती हैं। कुछ राजनीतिक दल अपने फायदे के लिए इन्हें वोटबैंक बना लेते हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो भविष्य में वह इलाका ही नहीं, इस देश का लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है। अपने लिए बेहतर जीवन स्तर की कामना करते हुए किसी उम्मीदवार से सवाल पूछना, उसे वोट देना, मतगणना के आंकड़ों का विश्लेषण करना – यही लोकतंत्र नहीं है। लोकतंत्र उस वृक्ष की तरह है, जिसे निरंतर सींचना होगा और उसकी रक्षा भी करनी होगी। अगर कोई विदेशी 'तत्त्व' यहां आकर फर्जी नाम और पहचान के साथ इसकी छाया में बैठे और मौका पाकर जड़ें खोदने लग जाए तो अंजाम क्या होगा?

अगर हम लोकतंत्र की रक्षा करेंगे तो ही वह हमारी रक्षा कर सकेगा। यह किसी एक व्यक्ति, एक एजेंसी या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। इस मुद्दे पर सबको बात करनी होगी। यह सोचकर खामोश रहने से काम नहीं चलेगा कि 'मुझे कोई मतलब नहीं है'। भारत सरकार को सख्त कानून बनाने होंगे, ताकि अवैध प्रवासी हतोत्साहित हों। जो लोग उनकी घुसपैठ, परिवहन, फर्जी दस्तावेज बनवाने, आश्रय देने में मदद करते हैं, उन्हें भी कठोर दंड मिलना चाहिए। ये लोग चंद रुपयों के लालच में देश की सुरक्षा और अखंडता के साथ बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं। मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में होना चाहिए। एक भी अवैध प्रवासी को यहां रहने की अनुमति क्यों हो? वह हमारी चुनाव प्रणाली का हिस्सा क्यों होना चाहिए? जिन बांग्लादेशियों ने अपने मुल्क में लोकतंत्र का सर्वनाश कर दिया, वे हमारे लोकतंत्र के साथ क्या करेंगे? कभी सोचा है? लोकतंत्र एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। इसमें नागरिकों के अधिकार ज्यादा हैं तो कर्तव्य भी ज्यादा हैं। यह सुनिश्चित करना नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि न कोई व्यक्ति गलत तरीके से चुनाव जीत पाए और न ही गलत तरीके से मताधिकार हासिल कर पाए। अगर दोनों में से किसी भी जगह गड़बड़ हुई तो खामियाजा नागरिकों को भुगतना होगा। भारत में आम आदमी को राशन कार्ड, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवाने तथा बैंक खाता खुलवाने के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। डिजिटलीकरण की वजह से प्रक्रिया थोड़ी आसान जरूर हुई है, लेकिन इन कार्यों में समय लगता है। वहीं, बांग्लादेशी और रोहिंग्या हमारे देश में घुसपैठ करने के बाद ये सारे दस्तावेज आसानी से हासिल कर लेते हैं! भारत सरकार को प्रशासन में व्याप्त खामियों को दूर करना होगा। अगर अवैध प्रवासियों के मुद्दे की ओर अब गंभीरता से ध्यान नहीं दिया तो बहुत देर हो जाएगी।

ट्वीटर टॉक

कोटा के इटावा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण सड़क हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवारजनों को यह असीम पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।

-दीया कुमारी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा चार सदस्यों श्री उज्वल निकम जी, श्री हर्षवर्धन श्रृंगला जी, डॉ. मीनाक्षी जैन जी एवं श्री सी. सदानंदन मास्टर जी को राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने पर नवमनोनित राज्यसभा सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-अर्जुनराम मेघवाल

जोधपुर सर्किट हाउस में आज जलदाय विभाग के अधिकारियों से शहर की जल संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा के दौरान मैंने स्पष्ट किया कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों दोनों में ही जल आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

जीवनशैली का प्रभाव

एक संत अपने शिष्य के साथ वन में घूम रहे थे। उन्होंने देखा कि सामने से कुलाचें भरता हिरण आया और जल्दी ही गायब हो गया। कुछ ही क्षणों बाद खरगोश का जोड़ा मस्ती के साथ दौड़ता हुआ दिखाई पड़ा। इसी बीच एक व्यक्ति हाथ में लाठी लिए हुए उधर से निकला। वह बड़ी मुश्किल से चल रहा था। झुर्रियों से भरा उसका पीला चेहरा देखकर शिष्य दुखित हो उठा। उसने संत जी से पूछा, 'महाराज, हिरण, खरगोश और अन्य पशु-पक्षी कभी बीमार नहीं होते, वे मस्ती में कुलाचें भरते हुए दिखाई पड़ते हैं। जबकि मनुष्य प्रायः किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त दिखाई देते हैं। इसका मुख्य कारण क्या है?' संत जी ने शिष्य को समझाया, 'वत्स, पशु-पक्षी प्रकृति के अनुसार चलते हैं। जैसे खरगोश और हिरण भूख लगने पर स्वाद की चिंता किए बिना हरी-हरी घास खाकर पेट भर लेते हैं, और दौड़-दौड़कर खाया-पिया पचा लेते हैं, इसलिए वे कभी बीमार नहीं होते। जबकि मनुष्य ने 'जीने के लिए खाने' के बजाय 'स्वादिष्ट और चटपटे पदार्थ खाना जीने' का उद्देश्य बना लिया है। वह अपनी जिह्वा और अन्य इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं रख पाता, यही उसकी शारीरिक और मानसिक विकृति का मुख्य कारण बनता है।'

सामयिक

भूगर्भ में अंगड़ाई लेती नदी के नए प्रमाण

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

राजस्थान के डीग जिले के बहज गांव में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा जारी उत्खनन में 5500 से भी ज्यादा साल पुरानी प्राचीन भारतीय सभ्यता के अनेक अवशेष मिले हैं। इनमें सबसे प्रमुख ऋग्वेद में वर्णित सबसे प्रसिद्ध सरस्वती नदी प्रणाली के ठोस प्रमाण एक बार फिर मिले हैं। इस खुदाई में ब्राह्मी लिपि की मोहरों, मूर्तियों, हड्डी के औजार, शंख, मोती, चूड़ियां और सिक्कों के साथ मिट्टी के खंभों से बने भवन, ईंटों की परतदार दीवारों वाली खंदकें, भट्ठि एवं यज्ञवेदियां भी मिले हैं। इन साक्ष्यों से प्रमाणित होता है कि उस समय के लोग वास्तुकला के साथ धातु विज्ञान और हथियार बनाने में दक्ष थे। ऋग्वेद में वर्णित सिंधु-सारस्वत सभ्यता में इन सब वस्तुओं और सरस्वती नदी से जुड़े अनेक मंत्र मिलते हैं। इन्हीं मंत्रों से प्राचीन आर्यावर्त का भूगोल, समाज, जीवनशैली और आर्य व अनार्यों के संघर्ष से जुड़ी अनेक गाथाओं का जीवंत चित्रण है। इन अवशेषों और नदी-तंत्र को 3500 ईसा पूर्व से 1000 ईसापूर्व तक की सभ्यता के प्रमाण माना जा रहा है।

वैदिक कालीन नदी सरस्वती के अस्तित्व और उसकी भूगर्भ में अंगड़ाई ले रही जलधारा को लेकर भूगर्भशास्त्री, पुरातत्ववेत्ता और इतिहासकारों में लंबे समय से मतभेद बना रहा है। यह मतभेद सैटेलाइट मैंपिग के बावजूद कायम रहा। यहां तक कि 6 दिसंबर 2004 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री ने संसद में भी यह घोषणा कर दी थी कि इस नदी का कोई मूर्त प्रमाण नहीं है। यह मिथकीय है। दरअसल ये विरोधाभास किसी शोध के निष्कर्ष से कहीं ज्यादा वामपंथी सोच को पुख्ता करने के नजरिए से सामने आते रहे हैं, जिससे भारत की प्राचीन ज्ञान-परंपरा को नकारा जा सके। किंतु अब न केवल हरियाणा के यमुनानगर जिले के आदिबद्री में सरस्वती का उद्गम स्थल खोज लिया गया है, बल्कि मुगलवाली गांव में धरातल से सात फीट नीचे तक खुदाई करके नदी की जलधारा भी खोज निकाली है। इस धारा का रेखामय प्रवाह तीन किमी की लंबाई में नदी के रूप में सामने आया था। एक मृत पड़ी नदी के इस पुनर्जीवन से उन सब अटकलों पर विराम लगा है, जो वेद-पुराणों में वर्णित इस नदी को या तो मिथकीय ठहराते थे या इसका अस्तित्व अफगानिस्तान की हेलमंद नदी के रूप में मानते थे।

सरस्वती की भौगोलिक स्थिति का बखान ऋग्वेद, शतपथ ब्राह्मण महाभारत, ऐतरेय ब्राह्मण, भागवत और विष्णु पुराणों में है। ऋग्वेद में सप्तसिंधु क्षेत्र की महिमा को प्रस्तुत करते हुए जिन सात नदियों का वर्णन किया गया है, उनमें से एक सरस्वती है। अन्य छह शतद्रु; सतलुज, विपासा; व्यास, असिकिनी; चिनाव, पुरुष्णी; रावी वितस्ता; झेलम द्ध और सिंधु नदियां हैं। इनमें सरस्वती और सिंधु बड़ी नदियां थीं। सतलुज और यमुना सरस्वती की सहायक नदियां रही हैं। सरस्वती का प्रवाह पूरब से पश्चिम की ओर था, लेकिन हजारों साल पहले आए भयंकर भूकंप के कारण यमुना और सतुलज सरस्वती से अलग हो गईं। इन दोनों नदियों के मार्ग बदलने के बाद सरस्वती धीरे-धीरे अस्तित्व खोती हुई भूगर्भ में विलीन हो गई। कुछ भूगर्भशास्त्रियों का ऐसा मानना है कि 12 हजार साल पहले तक नदी स्वच्छ जलधारा के रूप में प्रवाहमान थी। लेकिन ऋग्वेद और अन्य प्राचीन ग्रंथों में सरस्वती की महिमा का गुणगान है, उससे लगता है पांच से सात हजार साल पहले तक यह नदी धरा पर बहती थी। क्योंकि नदी के धरती की कोख में समा जाने का वर्णन ऋग्वेद में नहीं है। जबकि ऋग्वेद की 60 ऋचाओं में सरस्वती का उल्लेख है। इनमें कहा गया है,सरस्वती हिमालयी पर्वतों से निकलकर, सप्तसिंधु क्षेत्र में बहती हुई कच्छ के रण में जाकर समुद्र में गिरती है। यह क्षेत्र वर्तमान में पाकिस्तान और भारत के पंजाब व हरियाणा में है।

किंतु सरस्वती का जो वर्णन महाभारत में है, उसमें इस नदी के विलोप होने के संकेत मिलते हैं। महाभारत के अनुसार सरस्वती समुद्र में समाने से पहले राजस्थान के रेगिस्तान विनसन में ही लुप्त हो जाती है। विष्णु पुराण में नदी के सिमटने के संकेत कवश नाम के एक मल्लाह द्वारा सरस्वती की वंदना करने की कथा के रूप में मिलते हैं। इस कथा के अनुसार पृथु द्वारा कराए जा रहे यज्ञ में जब कवश ने हिस्सा लेने की कोशिश की तो ऋषियों ने उसे बाहर कर दिया। निराश कवश ने मरुस्थल में जाकर सरस्वती की स्तुति की। फलतः सरस्वती की जलधार उसके चारों ओर फूट पड़ी। इस चमत्कार से प्रभावित होकर ऋषियों ने कवश को यज्ञ में भागीदारी करने की अनुमति दे दी। यही कथा ऐतरेय ब्रह्मण और भागवत पुराण में भी कही गई है।

कॉर्बन डेटिंग भी इस तथ्य की पुष्टि करती है कि 2000 से 1800 वर्ष ईसा पूर्व यह नदी विलुप्त हुई। महाभारत, विष्णु पुराण, भागवत पुराण और ऐतरेय ब्राह्मण ग्रंथों की रचना लगभग इसी समय हुई बताई जाती है। साफ है, प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में सरस्वती का जो वर्णन है, वह कपोल कल्पित न होते हुए, वास्तविक है। नदी के सूखने के बाद हड़प्पा-मोहनजोदड़ो संस्कृति के उपासक गंगा यमुना के मैदानों की ओर पलायन कर गए। चूंकि इन लोगों की स्मृति में सरस्वती जीवंत थी, इसलिए इन्होंने प्रयाग में त्रिवेणी स्थल पर गंगा और यमुना के साथ सरस्वती के अंतसलिला होने की कथा गढ़ ली। सिंधु घाटी सभ्यता का नाम, हालांकि सिंधु नदी के नाम पर पड़ा था। इसे ही सरस्वती संस्कृति, सरस्वती सभ्यता और सिंधु सरस्वती सभ्यता के नामों से जाना जाता है। इसी सभ्यता में हड़प्पा संस्कृति फली-फूली थी। ऋग्वेद में हड़प्पा दुर्ग की गाथा हरियूपिया नाम से मंत्रों में कही गई है।

प्राचीन ग्रंथों में दर्ज सरस्वती के अस्तित्व को लेकर देशी-विदेशी भूविज्ञानी और भारतीय संस्कृति के अध्येता इसकी शोध और जमीनी खोज में जुटे रहे हैं। फ्रांस के भूविज्ञानी विवियेन सेंट मार्टिन ने वैदिक भूगोल की रचना की थी। 1860 में लिखी इस पुस्तक में सरस्वती के साथ घग्गर और हाकड़ा की भी पहचान की थी। इसके बाद 1886 में अंगेजी हुकूमत ने भारत का भौगोलिक सर्वेक्षण कराया था। इसके अधीक्षक आरडी ओल्ढ़म की रिपोर्ट बंगाल के एशियाटिक सोसायटी जर्नल में छपी थी। इस रिपोर्ट में सरस्वती के नदी तल और इसकी सहायक नदियों, सतुलज व यमुना के पथ रेखांकित किए गए है। 1893 में इस रिपोर्ट ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक सीएफ ओल्ढ़म को प्रभावित किया। ओल्ढ़म ने इसी जर्नल में सरस्वती के भूगर्भ में उपस्थित होने की पुष्टि की है। साथ ही घग्घर और हाकड़ा के सूखे पथों का भी ब्यौरा दिया है। ये नदियां पंजाब में बहती थीं। पंजाब की लोकश्रुतियों में आज भी ये नदियां विद्यमान हैं। इन्हीं नदियों के पथ पर एक समय सरस्वती बहती थी। इसके बाद 1918 में टैसीटोरी, 1940-41 में औरेल स्टाइन और 1951-53 में अमलानंद घोष ने सरस्वती की खोज में अहम भूमिका निभाई। इन सब विद्वानों ने अपने निष्कर्षों में सिद्ध किया कि सरस्वती के विलोपन का मुख्य कारण सतलुज और यमुना की धार बदलना था। सतलुज की धार सरस्वती से अलग होकर सिंधु में जा मिली। लगभग इसी समय यमुना ने भी अपनी धारा का प्रवाह बदल दिया और वह पश्चिम अपने बहने का रुख बदलकर पूर्व में बहकर गंगा में जा मिली। नतीजतन सरस्वती सूखती चली गई।

बाद में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने इस विलुप्त नदी को खोजने की पहल की। 15 जून 2002 को केंद्रीय संस्कृति मंत्री जगमोहन ने सरस्वती के नदी तलों का पता लगाने के लिए खुदाई की घोषणा की। इस खोज को संपूर्ण वैज्ञानिक धरातल देने की दृष्टि से इसमें इसरो के वैज्ञानिक बलदेव साहनी, पुरातत्वविद एस कल्याण रमन हिमशिला विशेषज्ञ वाईके पुरी और जल सलाहकार माधव चितले को शामिल किया गया। हरियाणा में आदिबद्री से लेकर भगवान पुरा तक पहले चरण में और भगवान पुरा से लेकर राजस्थान सीमा पर स्थित कालीबंगा की खुदाई प्रस्तावित थी। यह खोज कोई ठोस परिणाम दे पाती इससे पहले राजग सरकार गिर गई और डॉ मनमोहन के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने 6 दिसंबर 2004 को संसद में यह बयान देकर कि इस नदी का कोई मूर्त रूप नहीं है, इसे मिथकीय नदी ठहरा दिया। नतीजतन वाजपेयी सरकार की पहल अधूरी रह गई।

लेकिन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के दर्शन लाल जैन सरस्वती शोध संस्थान की अगुवाई में नदी की खोज की सार्थक पहल करते रहे। उन्होंने अपनी खोज के दो प्रमुख आधार बनाए। एक विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में प्राचीन इतिहास विभाग के प्राध्यापक रहे डॉ विष्णु श्रीधर वाकणकर की सरस्वती खोज पदयात्रा और दूसरा 2006 में आए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के सर्वे खुदाई को। वाकणकर की यात्रा आदि बद्री से शुरु होकर गुजरात के कच्छ के रण पर जाकर समाप्त हुई।

ओएनजीसी ने डॉ एमआर राव के नेतृत्व में सरस्वती के पथ व नदीतलों के पहले तो उपग्रह-मानचित्र तैयार किए, फिर धरातलीय साक्ष्य जुटाए। हिमाचल प्रदेश में सिरमौर जिले के काला अंब के पास सरस्वती टियर फाल्ट का गंभीर अध्ययन किया। अध्ययन के परिणाम में पाया कि हजारों साल पहले आए भूकंप के कारण यमुना और सतलुज ने अपने मार्ग बदल दिए थे। यमुना पूरब में बहती हुई दिल्ली पहुंच गई और सतलुज पश्चिम होते हुए सिंधु नदी में जा मिली। जबकि पहले इन दोनों नदियों का पानी सरस्वती में मिलकर हरियाणा, राजस्थान व गुजरात होते हुए कच्छ में मिलता था।

अवशेशीय अध्ययन के बाद ओएनजीसी ने राजस्थान के जैसलमेर से सात किलोमीटर दूर जमीन में करीब 550 मीटर तक गहरा छेद किया। यहां %600 लीटर प्रति घंटे की दर से स्वच्छ जल निकला। इस प्रमाण के बाद ओएनजीसी ने भारत विभाजन के बाद भारतीय पुरातत्व संस्थान द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण का भी अध्ययन किया। इससे पता चला कि हरियाणा व राजस्थान में करीब 200 स्थलों पर सरस्वती के पानी के निशान हैं। डीग में एक बार फिर सरस्वती के नए प्रमाण मिलने से इसके ऋग्वैदिक अस्तित्व को प्रामाणिकता मिली है।

नजरिया

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारत निर्वाचन आयोग
ELECTION COMMISSION OF INDIA
ABC1234567
RATION CARD
4444 3333 6666 8888
आधार

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है।

अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है?

भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 3%0 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि जो सरकार करे, उसका विरोध करो', चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मज़ाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है।

भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की ज़रूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण संविधान सम्मत प्रक्रिया है और इसे बाधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को न केवल वैध बताया, बल्कि उसे लोकतंत्र के लिए आवश्यक भी बताया। यह फैसला यह भी दर्शाता है कि अब समय आ गया है जब चुनावी ईमानदारी को राजनीतिक शोरगुल और वोट बैंक की राजनीति के शोर में दबाया नहीं जा सकता। विपक्ष की प्रतिक्रिया लगभग स्वचालित होती जा रही है, चाहे मुद्दा हो आर्थिक सुधार का, रक्षा नीति का, विदेश नीति का, या अब मतदाता सूची सुधार का। प्रश्न यह उठता है कि क्या हर सुधार प्रक्रिया, चाहे वह कितनी भी लोकतांत्रिक या पारदर्शी हो, विपक्ष के लिए मात्र एक राजनैतिक खतरा है? विपक्ष का यह रवैया यह दर्शाता है कि उसे संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा कम और अपनी राजनीतिक गणनाओं पर भरोसा अधिक है।

एक सामान्य नागरिक के लिए सबसे बड़ा अधिकार है वोट देना। यदि कोई सुधार प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि एक भी फर्जी वोटर सूची में न हो, कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं, जाति, धर्म या राजनीति से ऊपर उठकर नागरिकता के आधार पर मतदाता सूची बने, तो फिर उसका विरोध क्यों?विपक्ष इस डर से ग्रस्त है कि यदि मतदाता सूची साफ-सुथरी हो गई, तो उनके कथित परंपरागत वोट बैंक कमजोर हो सकते हैं। उन्हें डर है कि जातीय और क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। लेकिन यह तर्क लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के विरुद्ध है। 'लोकतंत्र जो है, उसे प्रतिबिंबित करे',' न कि जो चाहिए, उसे निर्मित करे'।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मिजोरमः रेलवे ने 26 साल पुराने सपने को हकीकत में बदला, बैराबी-सैरंग रेल लाइन तैयार

आइजोल/भाषा। मिजोरम की राजधानी आइजोल के लिए किसी जमाने में सपना रही बैराबी–सैरंग रेलवे लाइन आखिरकार हकीकत में तब्दील हो गयी है। बैराबी–सैरंग रेलवे लाइन की परिकल्पना सितंबर 1999 में की गयी थी और 26 वर्ष के अंतराल के बाद संरेखण, छोटे–छोटे अंतराल पर कार्य होने और लगातार भूस्खलन जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों को पार करते हुए आइजोल देश के रेलवे मानचित्र पर आ गया है। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ने 1999 में जो सपना देखा था, वह इस वर्ष जून में हकीकत में बदल गया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही इस 51.38 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन का उद्घाटन करेंगे।

दस्तावेजों के मुताबिक, इंजीनियरों को जब 1999 में पता चला कि घने जंगल, कम दृश्यता और अन्य स्थानीय समस्याओं के कारण प्रारंभिक सर्वेक्षण संभव नहीं है, तो एक सर्वे कराने पर सहमति बनी, जिसमें मोटे तौर पर मार्ग का आकलन करना शामिल था। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक इंजीनियरिंग–सह–यातायात सर्वेक्षण (पीईटी) के तहत मार्ग की विस्तृत जांच की जाती है। पीईटी सर्वेक्षण को व्यवहार्य न पाए जाने पर बोर्ड से इसे सर्वेक्षण इंजीनियरिंग–सह–यातायात (आरईटी) सर्वे में बदलने का अनुरोध किया गया, जिस पर रेलवे बोर्ड ने 15 जुलाई, 2003 को सहमति व्यक्त की। उन्होंने बताया, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने बैराबी–सैरंग रेल संपर्क के लिए आरईटी सर्वेक्षण मार्च 2006 में किया था। इसके आधार पर, रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस लिमिटेड (राइट्स) को 2008 में बैराबी–सैरंग तक एक नई 'ब्रॉड गेज' रेलवे लाइन के लिए निर्माण–पूर्व सर्वेक्षण और भू–तकनीकी जांच करने के लिए कहा गया था। राइट्स ने अगस्त 2011 में अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने इस परियोजना को मिजोरम और देश के बाकी हिस्सों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी करार देते हुए 2008–09 में इसे 'राष्ट्रीय परियोजना' घोषित किया था। इसके बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने 29 नवंबर, 2014 को परियोजना की आधारशिला रखी।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 2014–2015 तक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली और एक वर्ष बाद 2015–16 में रेलवे ने निर्माण कार्य पूरे जोर–शोर से शुरू कर दिया। परियोजना के मुख्य अभियंता विनोद कुमार ने बताया, इस क्षेत्र में कार्य अवधि बहुत कम होती है और वर्ष में केवल चार–पांच महीने (नवंबर से मार्च तक) ही काम होता है। भारी बारिश के साथ मानसून की लंबी अवधि के कारण अप्रैल से अक्टूबर तक कोई कार्य संभव नहीं होता। उन्होंने बताया, यह मार्ग पहाड़ी इलाकों, गहरी घाटियों से होकर गुजरता है, जिसके लिए सुरंगों और ऊंचे पुलों के निर्माण की आवश्यकता है। इसके अलावा, गुवाहाटी से सिलचर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात में बार–बार रुकावट के कारण निर्माण सामग्री को लाना ले जाना आज भी एक बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने इमरान खान की जेल से रिहाई के लिए आंदोलन शुरू किया

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री की रिहाई की मांग को लेकर 'इमरान खान को आजाद करो' आंदोलन शुरू किया है। पार्टी ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, पुलिस ने अनौपचारिक रूप से शुरू किए गए इस आंदोलन में पार्टी कार्यकर्ताओं को शामिल होने से रोकने के लिए कई गिरफ्तारियां की हैं। आंदोलन की यह अनौपचारिक शुरुआत पार्टी की पूर्व घोषित तिथि पांच अगस्त से एक महीने से भी कम समय पहले हुई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री और पार्टी के प्रमुख नेता अली अमीन गंडापुर पार्टी नेताओं के साथ शनिवार देर रात लाहौर पहुंचे और खान को रिहा करने के लिए आंदोलन शुरू करने की घोषणा की। क्रिकेटर से राजनीतिक नेता बने 72 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, क्योंकि उन पर कई मामलों में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पांच अगस्त से देश भर में एक बड़े अभियान की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है ताकि शहबाज शरीफ सरकार और सेना पर खान को रिहा करने का दबाव बनाया जा सके। अली अमीन और पार्टी के अन्य प्रमुख नेता अपने विरोध अभियान को अंतिम रूप देने के लिए लाहौर के रायविंड इलाके में एक फार्महाउस में डेरा डाले हुए हैं। इस बीच, पुलिस ने कथित तौर पर कम से कम 20 पार्टी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है, जो लाहौर में अलग–अलग जगहों पर अपने नेताओं का स्वागत करने के लिए इकट्ठा हुए थे। पार्टी के एक प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि पंजाब पुलिस ने उसके कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा, पुलिस पिछले कुछ दिनों से पंजाब प्रांत, खासकर लाहौर में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के घरों पर छापेमारी कर रही है ताकि उन्हें विरोध प्रदर्शन गतिविधियों में हिस्सा लेने से रोका जा सके। पंजाब पुलिस के एक प्रवक्ता ने खान की पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता की गिरफ्तारी से इनकार किया। हालांकि, एक पुलिस सूत्र ने बताया कि लाहौर और अन्य जगहों से पार्टी के कम से कम 20 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

भारतीय तय सीमा से अधिक नमक का कर रहे हैं सेवन, इस संबंध में अध्ययन शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीयों द्वारा अत्यधिक नमक का सेवन भारत में एक मूक महामारी का रूप ले रहा है, जिससे लोगों में उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, हृदय रोग और गुर्दे की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों ने यह जानकारी दी है। वैज्ञानिकों ने इस समस्या के समाधान के लिए समुदाय–आधारित नमक कटौती अध्ययन शुरू किया है तथा कम सोडियम वाले नमक के विकल्पों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने प्रति व्यक्ति प्रति दिन पांच ग्राम से कम नमक का सेवन की सिफारिश की है, जबकि अध्ययनों में खुलासा हुआ है कि शहरों में रहने वाले भारतीय लगभग 9.2 ग्राम/दिन का उपभोग करते हैं,जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह लगभग 5.6 ग्राम/दिन है। इस प्रकार पूरे देश में नमक का सेवन अनुशंसित मात्रा से अधिक है।

राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (एनआईई) के वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्ययन के प्रमुख अन्वेषक डॉ. शरण मुरली ने कहा कि इस स्थिति को बदलने की एक उम्मीद कम सोडियम वाले नमक हैं। यह नमक का वह स्वरूप होता है, जिसमें सोडियम क्लोराइड के एक भाग को पोटेशियम या मैग्नीशियम लवण से प्रतिस्थापित किया जाता है।

डॉ. मुरली ने कहा,सोडियम का कम सेवन रक्तचाप को कम करने में मदद करता है और समग्र हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है। इस प्रकार कम सोडियम वाले विकल्प एक सार्थक विकल्प बन जाते हैं, विशेष रूप से उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए। उन्होंने कहा, केवल कम सोडियम वाले नमक पर स्विच करने से रक्तचाप औसतन 7/4 मिलीमीटर ऑफ मरक्यूरी तक कम हो सकता है। यह एक छोटा सा बदलाव है, जिसका प्रभाव बड़ा होता है। उच्च नमक उपभोग की समस्या से निपटने के लिए, एनआईई ने पंजाब और तेलंगाना में तीन वर्षीय हस्तक्षेप परियोजना शुरू की है। इसे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद का समर्थन प्राप्त है। अध्ययन में शामिल एनआईई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गणेश कुमार ने बताया कि इसका लक्ष्य स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा दिए जाने वाले नमक कटौती परामर्श की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना है, जो उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों में रक्तचाप और सोडियम सेवन को कम करने में सहायक है। डॉ. कुमार ने कहा, हम वर्तमान में परियोजना के प्रथम वर्ष में हैं, जिसमें आधारभूत आकलन और क्षेत्रीय तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। डॉ. मुरली ने कहा, परामर्श सामग्री को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हमारा लक्ष्य सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर हस्तक्षेप पैकेज तैयार करना है, उनके अनुभवों का उपयोग करना है और उनके सुझावों को शामिल करना है। यह सिर्फ स्वास्थ्य शिक्षा देने के बारे में नहीं है – यह सुनने, समझने और साथ मिलकर निर्माण करने के बारे में है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हस्तक्षेप वास्तविकता पर आधारित हैं, एनआईई ने कम सोडियम वाले नमक की उपलब्धता और मूल्य निर्धारण का आकलन करने के लिए चेन्नई में 300 खुदरा दुकानों पर एक बाजार सर्वेक्षण किया।

हिंदी-मराठी भाषा विवाद पर अजय देवगन ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ हुआ है। इस एक्शन–कॉमेडी ड्रामा में अजय के साथ मृणाल ठाकुर और रवि किशन जैसे शानदार कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अजय देवगन मीडिया से सामने आये और सिर्फ फिल्म के बारे में ही नहीं, बल्कि कई समसामयिक और विवादित मुद्दों पर भी बेझिझक अपनी राय रखी। उनका बेबाक अंदाज़ एक बार फिर दर्शकों और प्रशंसकों को प्रभावित कर गया। जब मीडिया ने अजय देवगन से दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सरदार जी 3' और उससे जुड़े विवादों को लेकर सवाल किए, तो उन्होंने इस पर संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया दी। गौरतलब है कि फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर को कास्ट किए जाने को लेकर खासा विवाद हुआ है, खासकर हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद। इसी को लेकर फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने दिलजीत पर बैन लगाने की मांग भी की थी।

इस पर अजय देवगन ने कहा, मैं यह तय नहीं कर सकता कि कौन सही है और कौन गलत। हर किसी का अपना नजरिया होता है। बेहतर यही होगा कि सभी पक्ष बैठकर इस मुद्दे पर शांतिपूर्वक बातचीत करें और कोई समाधान निकालें। मैं किसी पर आरोप लगाना नहीं चाहता और न ही किसी को दोषी ठहराना चाहता हूं। मेरा मानना है कि किसी भी विवाद को टकराव से नहीं, संवाद से सुलझाया जा सकता है।हाल ही में महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी भाषा को लेकर छिड़े विवाद ने काफी तूल पकड़ लिया है। स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किए जाने के फैसले पर कई लोगों ने सवाल उठाए हैं।

जब इसी मुद्दे पर अजय देवगन से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने अपने मशहूर 'सिंघम' अंदाज में मुस्कराते हुए जवाब दिया, आता माझी सटकली। उनके इस जवाब पर वहां मौजूद कई फैन्स हंस पड़े और थोड़ी देर के लिए माहौल हल्का हो गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान अजय देवगन ने बेहद संयम और शांति के साथ अपनी बात रखी। उन्होंने किसी पर आरोप लगाने से बचते हुए यही सुझाव दिया कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों को बातचीत के ज़रिए सुलझाया जाना चाहिए। फैन्स को उनका शांत और परिपक्व रवैया काफी पसंद आया और सोशल मीडिया पर भी उनके इस व्यवहार की तारीफ की जा रही है। अगर फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' की रिलीज़ की बात करें तो यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 25 जुलाई 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस बार फिल्म में एक दिलचस्प बदलाव देखने को मिलेगा, जहां पहले भाग में सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में थीं, वहीं सीक्वल में उनकी जगह मृणाल ठाकुर नजर आएंगी, जो अजय देवगन के साथ नई जोड़ी के तौर पर स्क्रीन पर दिखाई देंगी।

मैच

ब्रिटेन की राजकुमारी कैथरीन रविवार को ब्रिटेन में होने वाली विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप में पोलैंड की इगा स्वियाटेक और संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के बीच महिला एकल फाइनल देखती हुईं।

मुलाकात

तिरुवनंतपुरम में रविवार को श्रीकार्यम राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले अफ़ग़ान छात्र रविवार को तिरुवनंतपुरम स्थित केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की।

एक विज्ञापन ने मधु सप्रे की बदल दी जिंदगी

मुंबई/एजेन्सी

मधु सप्रे 1990 के दशक में भारत की मॉडलिंग और ग्लैमर की दुनिया के चर्चित नामों में से एक है। उन्होंने अपनी खूबसूरती, स्टाइल और हिम्मत के चलते मॉडलिंग की दुनिया में खास पहचान बनाई। 1992 में मिस इंडिया बनीं और 'मिस यूनिवर्स' जैसी बड़ी प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया, यहां वो दूसरी रनर–अप रहीं। वह करियर में अपना नाम कमा रही थीं, लेकिन इस बीच एक विज्ञापन के कारण वह विवादों में आ गईं, जिसका असर उनके न सिर्फ करियर पर, बल्कि जीवन पर भी पड़ा। मधु सप्रे का नाम सबसे ज्यादा उस समय सुर्खियों में आया, जब उन्होंने अपने उस समय के अपने बॉयफ्रेंड और मशहूर मॉडल मिलिंद सोमन के साथ जूते की कंपनी फीनिक्स के लिए एक बोल्ड फोटोशूट किया।

इस विज्ञापन में दोनों के शरीर पर एक अजगर सांप लिपटा हुआ था और उन्होंने सिर्फ उस कंपनी के जूते पहने हुए थे। इस विज्ञापन ने उस वक्त बड़ा विवाद खड़ा किया था, क्योंकि उस समय भारत में इस तरह के फोटोशूट को समाज और मीडिया दोनों ही गलत समझते थे। कई लोगों ने इसे अश्लीलता करार दिया।

यह विवाद इतना बढ़ा कि मुंबई पुलिस ने उनके खिलाफ अश्लीलता फैलाने का केस दर्ज कर लिया। यह मामला लगभग चौदह साल तक कोर्ट में चला। इस दौरान मधु और मिलिंद दोनों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन आखिरकार कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। कोर्ट के इस फैसले ने भारत में ग्लैमर और बोल्डनेस के विषय पर एक नई बहस छेड़ दी। मधु सप्रे ने इस मामले पर एक इंटरव्यू में कहा था कि यह फोटोशूट उनके करियर का एक हिस्सा था और इसमें कुछ भी गलत या अश्लील नहीं था।

14 जुलाई 1971 को महाराष्ट्र के नागपुर शहर में जन्मी मधु बचपन में एथलीट बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत ने उन्हें मॉडलिंग की दुनिया में लाकर खड़ा कर दिया। एक दिन मशहूर फोटोग्राफर गौतम राज्याध्यक्ष ने उनकी खूबसूरती और स्टाइल देख उन्हें मॉडलिंग में आने का सुझाव दिया। गौतम ने मधु के कुछ फोटोशूट भी किए। उस समय मधु की उम्र महज 19 साल थी। फोटोज में खुद को देख मधु ने एथलीट बनने का सपना त्याग दिया और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। अपनी मेहनत और अलग अंदाज से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। 1992 में उन्होंने मिस इंडिया का खिताब जीतकर देश भर में पहचान बनाई।

मधु ने उसी साल 'मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता' में हिस्सा लिया और भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। यह उनके करियर का बड़ा मुकाम था। इसके बाद उन्हें कई विज्ञापनों के ऑफर मिलने लगे और वह जल्दी ही मॉडलिंग की दुनिया की चमकती हुई सितारा बन गईं। लेकिन टफ शूज के विज्ञापन ने उन्हें विवादों में फंसा दिया। मधु ने बॉलीवुड में भी डेब्यू किया। उन्होंने 2003 में फिल्म 'बूम' में अमिताभ बच्चन और कटरीना कैफ के साथ काम किया, लेकिन यह उनकी पहली और आखिरी फिल्म रही। मधु ने 2001 में इटली के बिजनेसमैन जियान मारिया से शादी की और अब वह इटली में अपने परिवार के साथ रह रही हैं। एक बेटी, जिसका नाम इंदिरा है, के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही है।

सिनेमा हॉल में देखी फिल्में दिलो दिमाग पर छा जाती थीं : काजोल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'गुप्त', 'इश्क', 'दुश्मन', और 'कुछ कुछ होता है' जैसी यादगार फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। अपनी पुरानी फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि पहले के जमाने में फिल्मों का असर लोगों पर ज्यादा होता था, क्योंकि सिनेमा हॉल ही एकमात्र जगह होती थी जहां लोग अपने पसंदीदा सितारों को देख सकते थे। उस वक्त टीवी या मोबाइल पर फिल्में आसानी से नहीं मिलती थीं, इसलिए लोग फिल्मों को बहुत खास मानते थे और उनकी यादें भी लंबे समय तक बनी रहती थीं। उन्होंने आगे कहा कि आजकल सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन से फिल्मों को लेकर उत्साह और याददाश्त पहले के मुकाबले काफी कम हो गई हैं। जब काजोल से पूछा गया कि आज रिलीज हुई फिल्मों की याददाश्त पहले वाली फिल्मों जैसी क्यों नहीं है, इस पर काजोल ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि आज भी कुछ फिल्में अच्छी और याद रखने लायक होती हैं, लेकिन शायद उनकी संख्या कम है। मैं ये नहीं कहूंगी कि आज ऐसी कोई फिल्म नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पहले समय में सिर्फ सिनेमा हॉल ही एकमात्र तरीका था अपने पसंदीदा सितारों को देखने का। अगर किसी को शाहरुख खान को देखना होता था, तो उसे थिएटर जाना पड़ता था। अगर कोई अजय देवगन का फैन होता था, तो वो भी उन्हें देखने सिनेमा हॉल जाता था। अभिनेत्री ने कहा, उस समय न सोशल मीडिया था, न ओटीटी। कुछ भी नहीं था। अगर किसी को अपने पसंदीदा अभिनेता या अभिनेत्री को देखना होता था, तो उन्हें सिनेमा हॉल जाना होता था। जब किसी चीज को देखने या अनुभव करने का सिर्फ एक ही तरीका होता है, तो वही अनुभव सबसे गहरी याद बन जाता है। उन्होंने कहा, जब किसी चीज को देखने के लिए 15 अलग–अलग तरीके होते हैं, तो शायद वो उतनी गहराई से आपके दिल में नहीं बसती।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही कायोज ईरानी की फिल्म 'सरजमीन' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान डेब्यू कर रहे हैं। वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। इसके अलावा, वह फिल्म 'महारागिनी– क्वीन ऑफ क्वीन' में भी दिखाई देंगी। फिल्म के निर्देशन की कमान चरण तेज उप्पलपति संभालेंगे। फिल्म से उप्पलपति का बॉलीवुड डेब्यू होगा।

मेरी सेहत ठीक है, कमजोरी महसूस नहीं कर रहाः करण जौहर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्देशक करण जौहर ने कहा है कि उनकी सेहत ठीक है और उन्हें कभी कमजोरी या अस्वस्थता महसूस नहीं होती। जौहर का वजन इन दिनों काफी कम हो गया है और सोशल मीडिया पर इसी को लेकर वह चर्चा का विषय बने हुए हैं। 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम' और 'माई नेम इज खान' जैसी सुपरहिट फिल्में बनाने वाले जौहर ने कहा कि वह अपने स्वास्थ्य को लेकर ऑनलाइन हो रही चर्चा से वाकिफ हैं, लेकिन उन्होंने प्रशंसकों को आश्वस्त किया कि वह स्वस्थ हैं। फिल्म निर्माता ने 'धड़क 2' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर संवाददाताओं से कहा, ''मेरा स्वास्थ्य ठीक है। मैं बहुत खुश हूं, उन्होंने कहा, ''और जो कुछ भी इंटरनेट उपयोगकर्ता कह रहे हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैं कई सालों तक जीना चाहता हूं, खासकर अपने बच्चों के लिए।

सनी देओल ने 'बॉर्डर 2' की शूटिंग पूरी की

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने अपनी आने वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग पूरी कर ली है। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का अगला भाग है जिसमें सनी देओल के साथ सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना नजर आए थे। अभिनेता ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मिशन पूरा! फौजी, साइन ऑफ कर रहा है! 'बार्डर 2' के लिए मेरी शूटिंग पूरी हुई। जय हिंद। इस पोस्ट में वह सैनिक की वर्दी में नजर आ रहे हैं। 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी हैं। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्माण भूषण कुमार (टी–सीरीज़), कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने किया है। 'बॉर्डर 2' के अलावा देओल अपनी अगली फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आएंगे। फिल्म 'लाहौर 1947' में वह प्रीति जिंटा के साथ काम करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जा रहा है। इस फिल्म में ए आर रहमान का संगीत और जावेद अख्तर का गीत शामिल होगा।

8 दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 14-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में शनिवार को शहर के ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में एक दिवसीय आनंद मेला उत्थान-2025 का आयोजन किया गया।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन का तीन दिवसीय मेगा ट्रेड फेयर 22 से

कर्नाटक के टेक्सटाइल मंत्री शिवानंद पाटिल करेंगे उद्घाटन

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के राष्ट्रीय स्तर के मेगा ट्रेड फेयर की तैयारियों को लेकर सदस्यों की एक बैठक आयोजित हुई जिसमें 22 से 24 जुलाई तक पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार में मेगा ट्रेड फेयर 'इनर स्टोरी' के संबंध में चर्चा हुई। बैठक का संचालन महिपाल जैन ने किया। बैठक में मेगा ट्रेड फेयर की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि लगातार चौथे वर्ष आयोजित होने वाले इस फेयर में स्टॉल्स के प्रति व्यापारियों में विशेष उत्साह है।

उन्होंने बताया कि इस बदलते बाजार में इस तरह के ट्रेड शो का आयोजन व्यापारियों को बहुत उपयोगी सिद्ध होता है। उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बताया कि इस बार भी इस मेगा ट्रेड फेयर का उद्घाटन कर्नाटक सरकार में टेक्सटाइल मंत्री शिवानंद एस पाटिल करेंगे। हुब्बल्ली के अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद होंगे। सचिव रविन्द्र बंबोली ने बताया कि ट्रेड फेयर की तैयारियां जोरों से चल रही हैं, ज्यादातर स्टॉल्स की बुकिंग पूरी हो चुकी है। उपाध्यक्ष महावीर जैन ने बताया कि इस ट्रेड फेयर में बेंगलूरु व कर्नाटक भर से व्यापारी शामिल होंगे। बैठक में एसोसिएशन के सहसचिव सैंकी जैन, सह कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, कमेटी सदस्य गौरव शर्मा, राजेश चोपड़ा, मूलसिंह राजपुरोहित, महेन्द्र जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

शरीर अनित्य व आत्मा नित्य है : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/.दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित अपने प्रवचन में महासती इंदुप्रभाजी ने कहा कि हम जब तक नित्य और अनित्य में भेद नहीं समझेंगे, तब तक जीव और अजीव के भेद का महत्व भी नहीं समझ पाएंगे। शरीर अनित्य है, आत्मा नित्य है परन्तु हम शरीर का ध्यान रखते हैं और आत्मा को गौण कर रहे हैं। यह गलती अनंत काल से कर रहे हैं। महासती वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि साधक को यह समझना होगा कि आत्मा बलवान है या कर्म। कर्मों के बंधन ने अनंत शक्ति संपन्न आत्मा को जकड़ लिया है और मुक्ति के लिए हमारे पुरुषार्थ भी आधे अधूरे हैं। ऐसी करणी से मुक्ति पाना संभव नहीं है। हमारे संकल्प मजबूत होंगे तो ही मंजिल मिल सकती है। साध्वीश्री इंदुप्रभाजी द्वारा बड़ी साधु वंदना पर आधारित प्रश्नोत्तर पुस्तिका का विमोचन मदनबाई सुभाषचंद बोहरा एवं सुरेश कुमार बागरेचा ने किया। सभा में जयमल जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद गादिया, मंत्री सुरेन्द्र बेताला, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार गादिया सहित अनेक संघों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बड़ी साधु वंदना पर विमोचित पुस्तक और प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी। संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया।

अग्रवाल महिला मंडल ने सावन मेले का आयोजन किया

बेंगलूरु/.दक्षिण भारत। अग्रवाल समाज की महिला शाखा अग्रवाल महिला मंडल द्वारा सावन महीने के मौके पर जिगनी स्थित मीनाक्षी रिसोर्ट पर 'पवन करे शोर' नामक सावन मेले का आयोजन किया गया जिसमें अनेक मनोरंजक खेल व खान पान के स्टॉलों का आयोजन किया गया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, पूर्व अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, विक्रम अग्रवाल, रवि तायल, मदन अग्रवाल सहित युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया, महिला मंडल की अध्यक्षा नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल ने द्वीप प्रज्वलित कर मेले का उद्घघाटन किया।महिलाओं ने मनोरंजक खेल व झूला झूलने का आनन्द लिया। सुभाष बंसल ने महिलाओं के आयोजन की सराहना की। सतीश गोयल ने धन्यवाद दिया। पूर्व अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, उपाध्यक्ष मीरा अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल आदि उपस्थित थीं।

'कैनवास ऑफ लव' के माध्यम से जीवन में भरा रिश्तों का रंग

बेंगलूरु/.दक्षिण भारत। शहर के जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी द्वारा 'कैनवास ऑफ लव'कार्यक्रम में महिलाओं व बच्चों ने मिलकर विभिन्न कला गतिविधियों में भाग लिया। श्रेया जैन के नेतृत्व में मां बच्चों की जोड़ी ने चित्रकारी की। कविता डांगरा ने उपस्थित सभी को माँ और बच्चे के बीच के रिश्ते के महत्त्व पर प्रकाश डाला और रिश्तों के बारे में बताया। इस आयोजन में प्रोजेक्ट हेड प्रीतन पोरवाल, प्रोजेक्ट कार्यकारी आर्यव मेहता, सचिव आयुषी कानूंगा, चेयरपर्सन तिष्य पोरवाल, अध्यक्षा कामना जैन आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भावयात्रा

बेंगलूरु के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी की निश्रा में रविवार को टीवी मोबाइल क्रेज परिणाम सामायिक (मृत्यु की भावयात्रा) का आयोजन किया गया। इस आयोजन में श्रोताओं के आंखों पर पट्टी बांध कर सभी को भावयात्रा कराते हुए मृत्यु के बाद होने वाले प्रसंगों का वर्णन किया।

हमें हर पल परमात्मा का स्मरण रखना चाहिए : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि एक छोटा सा निमित्त मिलते ही हमारा मन भटक जाता है।हमारा मन और पांचों इंद्रियां मिलकर हमारे मन को विचलित कर देती हैं। हमें हर दैनिक क्रिया करते समय जयणा (अहिंसा) का पालन करना चाहिए। थोड़ी सी भी असावधानी रखने से अनेक जीवों की हिंसा हो सकती है। हमारे अपने अंत:करण को वश में करने के लिए हमें परमात्मा का स्मरण करना चाहिए। जो भी हमने अच्छे कार्य किए हैं उनका स्मरण सतत करना है, ताकि हमारे अंतिम समय में भी वह कार्य स्मरण में आए तब हमारे भाव अच्छे हों और अच्छे कार्य के प्रति अनुमोदना हो सके। हमारे अंतिम समय में जैसी मति रहेगी वैसे ही हमारी आगामी भवगति मिलेगी। हमें परमात्मा से यही प्रार्थना करनी चाहिए कि हम मार्गानुसारी जीवन व्यतीत कर सकें।

करण के साथ जब स्मरण जुड़ जाता है तब हमारी आत्मा का कल्याण हो जाएगा। हम करण और स्मरण द्वारा इस भव के भी जीत सकते हैं। हमें तीन लोक के नाथ का स्मरण कभी नहीं छोड़ना है। हमें सिर्फ और सिर्फ परमात्मा की शरण को पकड़ कर रखना चाहिए। रविवार को विशेष कार्यक्रम में दादा गुरुदेव इकतीसा पर आठ टीमों के बीच रोचक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

वेदमुथा फिर बने बेंगलूरु जैन सेवा मंडल के अध्यक्ष, बंदामुथा बने सचिव

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु जैन सेवा मंडल की साधारण सभा पूर्वी प्लाजा कार्यालय में आयोजित की गई। निवर्तमान अध्यक्ष वसंत वेदमूथा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

निवर्तमान सचिव प्रकाश भोजानी ने पिछली बैठक की कार्यवाही पर प्रकाश डाला। बैठक में नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। आगामी तीन वर्ष के लिए तीस सदस्यों की उपस्थिति में सर्व सहमति से फिर एक बार वसंत वेदमूथा को अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से विचार विमर्श कर उपाध्यक्ष पद के लिए दिलीप वेदमूथा, जयंतीलाल बालर, सचिव कीर्तिकुमार बंदामुथा, उपसचिव घेवरचंद सालेचा, कांतिलाल गांधीमुथा, कोषाध्यक्ष मदनलाल वेदमूथा एवं सह कोषाध्यक्ष कांतिलाल को मनोनीत किया। प्रचार-प्रचार हेतु रमेश सालेचा एवं अशोक मुथा को कार्य सौंपा गया। प्रकाश भोजानी को संयोजक बनाया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष वंसत वेदमुथा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ती तकलीफों में सहायक बनने, अनाथ आश्रमों में सहयोगी बनने हेतु एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से कार्य कर संस्था सहयोग प्रदान करेंगी।

संत नहीं बन सकते तो कम से कम शांत अवश्य बनें : संतश्री वरुणमुनि

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि यदि आप संत नहीं बन सकते तो कम से कम शांत अवश्य बनें। जिस प्रकार सूर्य की कोई प्रशंसा करे या निंदा, सूर्य उससे अप्रभावित रहता है, उसी प्रकार क्रोध या आवेश आने पर मौन रहने या मन को शांत रखने से हम उसके दूरगामी दुष्प्रभावों से बच सकते हैं।

मुनिश्री ने कहा कि जैसे शर्ट का पहला बटन यदि गलत लग जाए तो बाकी के सारे बटन गलत ही लगेंगे। वैसे ही यदि आध्यात्म में हमारा पहला कदम गलत हो जाए तो हम अपनी राह से भटक सकते हैं और यदि पहला कदम सही रखें तो हम मुक्ति के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं। यह पहला कदम है सम्यक दर्शन। सम्यक दर्शन के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए सबसे सीधा और सरल मार्ग है भक्ति का मार्ग । जहां सद्ज्ञान हमें सन्मार्ग दिखाता है, वहीं अहंकार हमें पतन के मार्ग की ओर ले जाता है। जहां समर्पण का भाव जगता है, वहां विनय का भाव स्वत: ही जागृत हो जाता है। अभिमानी व्यक्ति के समक्ष चाहे कितनी ही अच्छी बात कही जाए किंतु उसके जीवन में किसी प्रकार का रूपांतरण नहीं होता। श्री रूपेशमुनि जी ने मधुर भजन की प्रस्तुति दी। सभा का संचालन संघ के अध्यक्ष राजेश मेहता ने किया। अंत में उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

बेंगलूरु की तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की टीम ने आरआरनगर में विरजित साध्वीश्री पुण्ययशाजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साध्वीश्री ने भिक्षु स्वामी के त्रिशताब्दी वर्ष के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर महिला मंडल की अध्यक्ष महिमा पटावरी, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया, सुनीता पटावरी, कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली, मंत्री सरिता छाजेड़, संगठन मंत्री शिल्पा भंसाली सहित पूर्वाध्यक्ष प्रेम भंसाली उपस्थित थीं।

माहेश्वरी महिला संगठन के 'आनंद मेला उत्थान-2025' को मिला अच्छा रेस्पांस

मेले से प्राप्त आय का उपयोग मानवसेवी कार्यों के लिए

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में शनिवार को शहर के ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में एक दिवसीय आनंद मेला उत्थान-2025 का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन गोपालदास इनानी, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियाणी, सलाहकार सदस्य सावित्री मालू, बिमला साबू, कार्यकारिणी सदस्य बिमला चांडक, सुलोचना जाजू, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवल किशोर मालू , मुख्य प्रायोजक नीलकंठ गोल्ड व डायमंड के मालिक गुरुपकारसिंह , प्राइज प्रायोजक संगीता दीपक साबू, गेट प्रायोजक अरिहंत ज्वेलर्स, मीडिया प्रायोजक सम्पतदेवी रेवतमलजी झंवर ने भगवान उमा महेश की पूजा कर दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षा श्वेता बियाणी ने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए संगठन गत 33 वर्षों से कार्य कर रहा है। इस वर्ष मेले में माहेश्वरी भवन के कुल 4हॉल में 80 से ज्यादा स्टॉल लगाए गए जिनमें त्यौहारी सीजन को देखते हुए रेडीमेड कपड़े, राखी, स्वर्ण व डायमंड ज्वेलरी, बेडशीट्स, फैन्सी ज्वेलरी, डिजाइनर साड़ी, सलवार शूट, घर के साज सज्ञा आइटम, सौंदर्य प्रसाधन आइटम, गिफ्ट आइटम, सजावटी आइटम सहित खाने पीने के आइटमों के अनेक स्टॉल लगाए गए। ग्राहकों ने विभिन्न स्टालों पर खूब खरीददारी की। इस आनंद मेले से प्राप्त बचत राशि चिक्कबलापुर स्थित डॉ नरपत सोलंकी के नेतृत्व वाले जैन मिशन अस्पताल के डायलेसिस रोगियों व राजराजेश्वरीनगर स्थित व्हॉटस फाउंडेशन के गुरुकुल व गौशाला के सहयोगार्थ दी गई। कार्यक्रम का संचालन हर्षिता राठी ने किया।

अच्छे गुणों का श्रवण करना ही सर्वोत्तम जीवन का शुभ मार्ग : संतश्री ज्ञानमुनि

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को लोकेश मुनि जी ने उत्तराध्ययन सूत्र के चौथे अध्याय का वर्णन करते हुए कहा कि जिंदगी की डोर एक बार छूट जाए तो फिर कभी भी जुड़ नहीं सकती। जो कार्य आवश्यक है वह नहीं करना आलस्य है और जो कार्य वर्जित है वह करना प्रमाद है और हमें प्रमाण को पूर्णतः त्यागना चाहिए। जैन आगमों में उल्लेखित है कि माता-पिता और दुखियारों की सेवा सबसे उत्तम कार्य है। ज्ञानमुनि जी ने उत्तम जीवन के सद्मार्ग के बारे में बताते हुए कहा कि प्रातः उठते ही देव स्मरण, गुरु नमन, सामायिक व व्याख्यान ग्रहण कर स्वाध्याय करना, संयम नियम दान करना, इच्छा अनुसार तप करना और दूसरों से अच्छे गुणों का श्रवण करना यही सब सर्वोत्तम जीवन का शुभ मार्ग है। ज्ञानमुनिजी ने श्रमण संघीय श्री गणेशीलालजी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण वंदन करते हुए उनकी महिमा का गुणगान किया। रविवार को बड़ी संख्या में बेंगलूरु के उप नगरों से श्रद्धालु उपस्थित हुए थे। गौतमचंद नाबरिया ने गीत प्रस्तुत किया। गौतम चंद ओस्तवाल ने अपने भाव व्यक्त किए। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। सभा का संचालन मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

पाकिस्तान में नाटक समूह ने किया 'रामायण' का मंचन

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में एक पाकिस्तानी नाटक समूह रामायण का मंचन करके सुर्खियां बटोर रहा है। सप्ताहांत में कराची आर्ट्स काउंसिल में रामायण का मंचन करने वाले नाटक समूह 'मौज' को एआई संवर्द्धन का उपयोग करके महाकाव्य को जीवंत बनाने के उनके प्रयासों के लिए सराहना मिली है। निर्देशक योहेश्वर करेरा ने कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि 'रामायण' का मंचन करने से लोग उन्हें नापसंद करेंगे या उन्हें किसी तरह की धमकी का सामना करना पड़ेगा। मेरे लिए, रामायण को मंच पर जीवंत करना एक अद्भुत दृश्य अनुभव है और यह दर्शाता है कि पाकिस्तानी समाज जितना माना जाता है, उससे कहीं अधिक सहिष्णु है।

परम पूज्यनीय, आदरणीय
सद्गुरु श्री सुधांशुजी महाराज के साान्निध्य में
बेंगलूरु
अमृत ज्ञान वर्षा
17 से 20 जुलाई 2025
- अमृत प्रवचन शुभारंभ, गुरुवार 17 जुलाई को सायं 5 से 7 बजे
- शुक्रवार 18 जुलाई को प्रात: 10 से 12 बजे एवं सायं 5 से 7 बजे
- शनिवार 19 जुलाई को प्रात: 10 से 12 बजे एवं सायं 5 से 7 बजे

Poornima Convention Hall
31st Cross, 4th Block, Jayanagar, Bengaluru
- रविवार 20 जुलाई को प्रात: 11.00 बजे से

स्थल : श्रीधाम आश्रम, आदिविश्वनाथपुरा, राजनकुंटे, बेंगलूरु
Organized by:
Vishwa Jagriti Mission Bengaluru
Contact: 7892726723, 9742825495
हार्दिक आमंत्रण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com